epaper.dehatsandesh.com

3 बच्चे देश का भविष्य हैं, इन्हें खूब पढ़ाएं :सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत

5 टी 20 विश्व कप 2026 से पहले संजू सैमसन ने युवराज सिंह से लिया बल्लेबाजी का टिप्स

8 सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

न्यूनतम 5 मौसम जम्मू अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-10 | जम्मू तवी, रविवार 11 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

आत्मनिर्भर भारत के लिए उत्पादन, स्वदेशी और स्वभाषा सबसे अहम कड़ी : अमित शाह

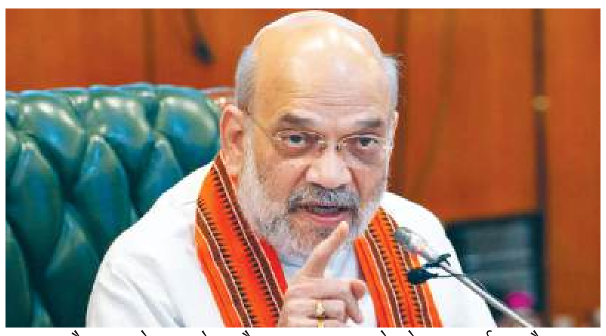

जोधपुर/जयपुर, 10 जनवरी । जोधपुर के मारवाड़ कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय 'माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन' के दूसरे दिन शनिवार को आस्था, उद्यमिता और राष्ट्रभक्ति का भव्य संगम देखने को मिला। इस अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों माहेश्वरी समाज के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने सम्मेलन को ऐतिहासिक बना दिया। महासम्मेलन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित कई केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय नेता शामिल हुए। सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में माहेश्वरी समाज की सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रनिर्माण में भूमिका को रेखांकित किया।वक्ताओं ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा, त्याग, उद्यमशीलता और राष्ट्रभक्ति की परंपरा को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया है। सम्मेलन के दौरान आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी उद्योग, वैश्विक व्यापार, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि समाज की आत्मनिर्भरता और सामाजिक संगठनों की सक्रिय भूमिका से ही देश सशक्त बनता है। यदि सामाजिक संगठनों की शक्ति राष्ट्रहित में लगे, तो भारत को विश्व में अग्रणी बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सदैव व्यवहार में उतारा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना को साकार करने में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, देश की उत्पादन क्षमता में वृद्धि और स्वभाषा का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाषा समाज, संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखती है, इसलिए नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए स्वभाषा में संवाद आवश्यक है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक, जब देश आजादी के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करेगा, भारत हर क्षेत्र में विश्व का अग्रणी राष्ट्र बने। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच चुकी है और देश शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि निर्यात में दोगुनी वृद्धि हुई है, चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का निर्माण हुआ है, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 70 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है और डिजिटल ट्रांजैक्शन के क्षेत्र में भारत वैश्विक नेतृत्व कर रहा है। शाह ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग और तकनीक के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता में अहम योगदान दिया है। माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो के माध्यम से देश की आर्थिक मजबूती को नई दिशा मिलेगी।

युद्ध इच्छाशक्ति से जीते जाते हैं, हथियारों से नहीं : अजीत डोभाल

नई दिल्ली, 10 जनवरी । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शनिवार को कहा कि युद्ध केवल हथियारों और संसाधनों से नहीं जीते जाते, बल्कि राष्ट्र की इच्छाशक्ति और मनोबल से जीते जाते हैं। हम साइकोपैथ नहीं हैं जिन्हें दुश्मन के शव या कटे हुए अंग देखकर संतोष मिले। लड़ाइयां इसके लिए नहीं लड़ी जातीं, बल्कि किसी देश का मनोबल तोड़ने और उसे हमारी शर्तों पर आत्मसमर्पण करने के लिए लड़ी जाती हैं।

डोभाल ने यहां आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इच्छाशक्ति ही राष्ट्रीय शक्ति बन जाती है और युवाओं को इसे मजबूत करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि निर्णय लेने की क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है और किसी भी कदम से पहले दो कदम आगे की सोच रखनी चाहिए। सपने दिशा देते

हैं लेकिन उन्हें निर्णय और फिर क्रियान्वयन में बदलना सफलता दिलाता है। एनएसए ने कहा कि वे पराधीन भारत में पैदा हुए थे जबकि आज के युवा स्वतंत्र भारत में जन्मे हैं। स्वतंत्रता पाने के लिए हमारे पूर्वजों ने अपार बलिदान दिए। भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने फांसी का सामना किया, सुभाष चंद्र बोस ने जीवनभर संघर्ष किया और महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग अपनाया। हमारी सभ्यता हमेशा विकसित रही है, हमने कभी किसी के मंदिर नहीं तोड़े, किसी पर आक्रमण नहीं किया और न ही लूटपाट का लेकिन अपनी सुरक्षा को लेकर हम उदासीन रहे और यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी रही। अगर आने वाली पीढ़ियां इतिहास से सबक नहीं लेंगी तो यह देश की सबसे बड़ी त्रासदी होगी। डोभाल ने कहा कि दुनिया में हो रहे युद्ध और संघर्षों को देखें तो साफ है कि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं। इसके लिए अपनी ताकत का प्रयोग कर रहे हैं। अगर कोई देश इतना शक्तिशाली है कि कोई उसका विरोध न कर सके तो वह हमेशा स्वतंत्र रहेगा लेकिन अगर संसाधन और हथियार हों, पर मनोबल न हो तो सब कुछ बेकार हो जाता है। उन्होंने कहा कि मनोबल बनाए रखने के लिए नेतृत्व जरूरी होता है और आज हम भाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेतृत्व है जिसने पिछले दस वर्षों में भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि हर युवा के अंदर एक आग होनी चाहिए। 'बदला' शब्द शायद

> "स्वतंत्रता पाने के लिए हमारे पूर्वजों ने अपार बलिदान दिए

अच्छा न लगे लेकिन बदला खुद एक ताकतवर एहसास है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना है और इस देश को उस मुकाम पर वापस ले जाना है, जहां हम अपने अधिकारों, विचारों और विश्वास के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें। एनएसए ने कहा कि सही समय पर, पूरे विश्वास और आस्था के साथ लिया गया निर्णय ही नेता को सफल बनाता है। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग प्रतियोगिता में 50 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया। इनमें से तीन लाख युवाओं ने दस विषयों पर निबंध लिखे, जिन्हें विशेषज्ञ प्रोफेसरों ने परखा।

बहु फोर्ट इलाके के गोरख नगर में एक घर की छत से मिला ड्रोन, मचा हड़कंप

जम्मू, 10 जनवरी । जम्मू में 26 जनवरी 2026 के मद्देनजर सुरक्षा बल पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा जगह-जगह नाकेबंदी कर सघन चेकिंग की जा रही है। इसी बीच जम्मू से एक बड़ी और गंभीर खबर सामने आई है जिसने सुरक्षा बलों की चिंता बढ़ा दी है। जम्मू के बहु फोर्ट इलाके के गोरख नगर में एक घर की छत से ड्रोन मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार घरवाले जब छत की सफाई के लिए ऊपर गए तो उन्होंने देखा कि छत पर लगे एक जाल में ड्रोन फंसा हुआ है। ड्रोन को देखकर परिवार के लोग घबरा गए और तुरंत इसकी सूचना बहु पुलिस स्टेशन को दी। सूचना मिलते ही बहु पुलिस स्टेशन के एसएचओ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ड्रोन को अपने कब्जे में लेकर मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच के बाद सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ड्रोन वहां कैसे पहुंचा और इसका मकसद क्या था। पुलिस इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है और इस पहलू की भी जांच की जा रही है कि कहीं यह ड्रोन पड़ोसी देश पाकिस्तान से तो नहीं आया। फिलहाल पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है और जांच जारी

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

सोमनाथ, 10 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए शनिवार शाम सोमनाथ पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री समेत अन्य नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद वे सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना तथा जलाभिषेक किया और ओमकार जाप में हिस्सा लिया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वीवीआईपी गेस्ट हाउस पहुंचे, जहां उनकी अध्यक्षता में सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी हमीरजी सर्कल से पैदल चलकर सोमनाथ मंदिर पहुंचे। इस दौरान दिग्विजय द्वार पर साधु-संतों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद वे 72 घंटे चल रहे ओमकार जप अनुष्ठान में शामिल हुए। इस दौरान मोदी ने भगवान सोमनाथ के दर्शन कर जलाभिषेक किया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में आयोजित भव्य ड्रोन शो का अवलोकन किया।

जम्मू के समर जोन में 12 जनवरी से खुलेंगे स्कूल, शीतकालीन अवकाश में कोई बढ़ोतरी नहीं

जम्मू, 10 जनवरी। सोशल मीडिया पर शीतकालीन अवकाश की संभावित बढ़ोतरी को लेकर चल रही अटकलों के बीच अधिकारियों ने शनिवार को स्पष्ट किया कि जम्मू के समर ज़ोन में सभी निजी और सरकारी स्कूल 12 जनवरी से निर्धारित समय पर खुलेंगे और शीतकालीन अवकाश को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।अधिकारियों ने बताया कि शिक्षण संकाय ने पहले ही अपने कर्तव्यों का पालन करना शुरू कर दिया था और उन्हें शनिवार को स्कूलों में उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि शिक्षक अपने-अपने संस्थानों में मौजूद हैं जबकि छात्रों से मौजूदा शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार 12 जनवरी से कक्षाओं में शामिल होने की उम्मीद है। यह स्पष्टीकरण उन अपुष्ट खबरों के बाद जारी किया गया है जो ऑनलाइन प्रसारित हो रही थीं और जिनमें दावा किया गया था कि मौसम की स्थिति के कारण जम्मू में शीतकालीन अवकाश बढ़ाया जा सकता है।

अधिकारियों ने इन दावों को निराधार बताया और अभिभावकों और छात्रों को अनौपचारिक जानकारी पर भरोसा न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि समर ज़ोन में सरकारी और निजी स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारू रूप से फिर से शुरू करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। स्कूल प्रशासनों को भी जारी कार्यक्रम का सख्ती से पालन करने और छात्रों के लौटने के बाद नियमित कामकाज सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दोहराया कि छुट्टियों या शैक्षणिक कैलेंडर में बदलाव से संबंधित कोई भी निर्णय केवल आधिकारिक माध्यमों से ही सूचित किया जाएगा और जनता से आग्रह किया कि वे अफवाहें न फैलाएं और न ही उन पर अमल करें। इस स्पष्टीकरण के साथ जम्मू के समर ज़ोन में शीतकालीन अवकाश आधिकारिक तौर पर 10 जनवरी को समाप्त होगा और छात्रों के लिए सामान्य कक्षाएं 1 जनवरी से फिर से शुरू होंगी।

प्रधानमंत्री मोदी 12 को अहमदाबाद में जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, 10 जनवरी । जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज 12 जनवरी को गुजरात के अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने पर विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का जायजा लेंगे। इस दौरान ट्रेड और निवेश, टेक्नोलॉजी, शिक्षा, स्किलिंग और मोबिलिटी में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। साथ ही रक्षा और सुरक्षा, विज्ञान, नवाचार और अनुसंधान, हरित एवं सतत विकास तथा लोगों के बीच संबंधों जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी फोकस किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार चांसलर मर्ज़ 12-13 जनवरी को भारत के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह उनका भारत का पहला आधिकारिक दौरा होगा। इस दौरान वे अहमदाबाद और बेंगलुरु जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी 12 जनवरी को अहमदाबाद में उनका स्वागत करेंगे। दोनों नेता बिजनेस और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे और क्षेत्रीय एवं वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। मंत्रालय ने बताया कि यह दौरा भारत और जर्मनी के बीच उच्च राजनीतिक स्तर पर नियमित संवाद से बने सकारात्मक माहौल को और आगे बढ़ाएगा। साथ ही यह साझा दृष्टिकोण को मजबूत करने और भविष्य के लिए नई साझेदारी बनाने का अवसर प्रदान करेगा। मंत्रालय ने बताया कि चांसलर मर्ज 12 जनवरी को सुबह साबरमती आश्रम का दौरा करेंगे।

पर्यटकों की बढ़ती आमद के बीच डोडा के बर्फीले पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा कड़ी

भदरवाह, 10 जनवरी। पिछले पखवाड़े के दौरान पर्यटकों की भारी आमद को देखते हुए जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बर्फ से ढके पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनका विश्वास बनाए रखने के लिए उच्च-ऊंचाई वाले इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

अधिकारियों के अनुसार, भदरवाह-पठानकोट राजमार्ग पर स्थित चत्तरगल्ला (11,000 फीट), पंज नाला (10,200 फीट) और गुलदांडा (9,555 फीट) जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों और घास के मैदानों में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। इन इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बावजूद जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और अर्धसैनिक बलों की मजबूत मौजूदगी, साथ ही स्थानीय लोगों के आतिथ्य सत्कार ने पर्यटकों की शुरुआती आशंकाओं को काफी हद तक दूर कर दिया है। पर्यटक

इन स्थलों पर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के साथ-साथ बर्फ में खेलने और फोटोग्राफी जैसी गतिविधियों में भी शामिल हो रहे हैं।

डोडा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनोद शर्मा ने बताया कि भदरवाह जम्मू-कश्मीर के सबसे सुंदर पर्यटन स्थलों में से एक है और हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि आसपास के ऊंचे पहाड़ों में भारी बर्फबारी के कारण सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां बढ़ जाती हैं, क्योंकि कई पर्यटक बर्फ से ढके मैदानों और दर्रों में जाने का जोखिम उठाते हैं, विशेषकर भदरवाह-पठानकोट राजमार्ग और भदरवाह-चंबा अंतरराज्यीय सड़क पर।

जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में कुल 802 बंकरों में से 796 बंकर तैयार, शेष बंकरों के निर्माण में तेजी लाने के दिए निर्देश

कठुआ 10 जनवरी। कठुआ जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में बंकर निर्माण परियोजना के तहत कुल 802 बंकरों में से 796 बंकर तैयार हो चुके हैं जिन्हें सौंप दिया गया है और 6 बंकर निर्माणाधीन हैं। इस सबंध में डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने निर्माणाधीन बंकरों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में चल रहे कार्यों की स्थिति का आकलन करने, बाधाओं की पहचान करने और शेष बंकरों के समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। निदेशक को बताया गया कि कठुआ जिले में कुल 802 बंकरों का निर्माण कार्य चल रहा है जिनमें 717 व्यक्तिगत और 85

सामुदायिक बंकर शामिल हैं। इनमें से 796 बंकर अब तक पूरे हो चुके हैं। वर्तमान में केवल छह बंकर निर्माणाधीन हैं जिनमें एक सामुदायिक बंकर और पांच व्यक्तिगत बंकर शामिल हैं जबकि बाकी सभी बंकर पूरे हो चुके हैं और सौंप दिए गए हैं। डीसी ने शेष बंकरों के निर्माण कार्य में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया और संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे जनवरी 2026 के अंत तक सभी लक्षित बंकरों का निर्माण पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीमावर्ती निवासियों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और कार्यों के पूरा होने में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीसी ने एक्सईएन आरईडब्ल्यू से सभी लंबित वित्तीय देनदारियों को समयबद्ध तरीके से निपटाने का भी आह्वान किया ताकि संसाधनों की कमी के बिना कार्य सुचारू रूप से पूर्ण हो सकें। उन्होंने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने और समय-सीमा एवं गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया। बैठक में कठुआ के अतिरिक्त उपायुक्त विश्वजीत सिंह मुख्य योजना अधिकारी रणजीत ठाकुर, सहायक राजस्व आयुक्त विश्व प्रताप सिंह, मढ़हीन और हीरानगर के ब्लॉक विकास अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे

एलओसी के पास पकड़ा गया संदिग्ध कबूतर, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू, 10 जनवरी । जम्मू जिले की नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे अखनूर सेक्टर के एक अग्रिम गांव में शनिवार को एक संदिग्ध कबूतर पकड़े जाने से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। घटना के बाद स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए कबूतर का रंग हल्का भूरा है और उसके दोनों पंखों पर दो-दो काली धारियां बनी हुई हैं। कबूतर के पैरों में लाल और पीले रंग के छल्ले लगे हुए पाए गए हैं, जिन पर 'रहमत सरकार', 'रिज़वान 2025' और कुछ संख्याएं अंकित हैं, जिससे उसके संदिग्ध होने की आशंका और बढ़ गई है।

बताया गया कि शनिवार सुबह अखनूर क्षेत्र के खराह गांव में 13 वर्षीय आर्यन ने कबूतर को पकड़ा और इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि कबूतर के पंखों पर मुहरनुमा निशान भी पाए गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से कबूतर को आगे की जांच के लिए पल्लनवाला पुलिस को सौंप दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि कहीं इस पक्षी का उपयोग किसी संदिग्ध या जासूसी गतिविधि के लिए तो नहीं किया गया।

हिंदी भारत और नेपाल के बीच एक पुल का काम करती है : एलजी कविंदर

नई दिल्ली, 10 जनवरी। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल, श्री कविंदर गुप्ता, आज नई दिल्ली में विश्व हिंदी परिषद द्वारा नेपाल दूतावास के सहयोग से आयोजित विश्व हिंदी दिवस सम्मेलन और सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर, भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री मुरली मनोहर जोशी; राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील आंबेकर; भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह; परमार्थ निकेतन आश्रम, ऋषिकेश के अध्यक्ष

स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज; राज्यसभा सांसद डॉ. सुभाष चंद्र; राज्यसभा सांसद श्री राम चंद्र जांगड़ा; राज्यसभा सांसद डॉ. संगीता बलवंत; और विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य बालकृष्ण लक्ष्मीप्रसाद (पद्म श्री, पद्म भूषण) उपस्थित थे।सभा को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने एक ऐसे कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर खुशी जताई, जिसने हिंदी भाषा की ताकत, पहचान और बढ़ते वैश्विक प्रभाव को उजागर किया। उपराज्यपाल ने कहा कि आज हिंदी सिर्फ़ एक भाषा नहीं है, बल्कि एक शक्तिशाली माध्यम है जो भौगोलिक सीमाओं से परे लोगों, संस्कृतियों और भावनाओं को जोड़ता है। उन्होंने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने और भाषाई और सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देने में नेपाल दूतावास, नई दिल्ली की सराहनीय भूमिका की सराहना की। अतीत का जिक्र करते हुए, श्री कविंदर गुप्ता ने कहा कि कई दशकों तक हिंदी को प्रशासन, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में वह पहचान नहीं मिली जिसकी वह हकदार थी, जिससे युवा पीढ़ी का भाषा से जुड़ाव भी प्रभावित हुआ।

मुख्य सचिव ने नेशनल आयुष मिशन के तहत हुई प्रगति का जायजा लिया

जम्मू, 10 जनवरी। मुख्य सचिव, अटल डुल्लू ने आज नेशनल आयुष मिशन (ह्वरू) के तहत हुई प्रगति का जायजा लेने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें J&K के सभी जिलों में आयुष-आधारित स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के उद्देश्य से सेवा वितरण, इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण और आउटरीच पहलों पर जोर दिया गया।

बैठक में शामिल होने वालों में सचिव, H&ME; प्रिंसिपल, GMC श्रीनगर; कमिश्नर, FDA; निदेशक, स्वास्थ्य कश्मीर/जम्मू; निदेशक, आयुष और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल थे। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव को

बताया गया कि अ भर में सभी 523 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) 31 मार्च 2025 से पूरी तरह से चालू हो गए हैं। ये केंद्र आयुष सिद्धांतों और प्रथाओं के आधार पर आयुष वेलनेस हस्तक्षेप और रोगी देखभाल सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की स्थिति की समीक्षा करते हुए, यह बताया गया कि चवालगाम, कुलगाम में 50-बेड वाला इंटीग्रेटेड आयुष अस्पताल पूरा हो गया है और पूरी तरह से चालू हो गया है। अस्पताल में 2024-25 के दौरान 12,852 मरीजों और दिसंबर 2025 तक 2025-26 के दौरान 5,546 मरीजों का OPD फुटफॉल दर्ज किया गया। SAAP 2025-26 के तहत संबद्ध कार्यों को पूरा करने के लिए 105 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें लैंडस्केपिंग, हर्बल गार्डन विकास और अन्य सुविधाएं, साथ ही मैनपावर सहायता शामिल है

पार्वती घाटी में घूमने की हैं कई बेहतरीन जगहें

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं।

भारत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है और यही कारण है कि यहां के हर राज्य में आपको प्रकृति का एक अलग सौंदर्य देखने को मिलेगा। ऐसा ही एक स्थान हिमाचल प्रदेश में भी स्थित है। भुंतर से स्पीति तक फैली, पार्वती घाटी हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित है। घाटी के पास घूमने के लिए कई आकर्षक स्थान हैं। रुद्र-नाग, सर्प के आकार का झरना, खिरगंगा के देवदार के जंगल जहाँ भगवान शिव का ध्यान किया जाता है, पांडु पुल का चट्टान का निर्माण और पिन-पार्वती दर्रा कुछ लोकप्रिय पर्यटन आकर्षण हैं। पिन वैली नेशनल पार्क एक अन्य पर्यटक आकर्षण है और यह हिम तेंदुए सहित वन्यजीवों की आबादी के लिए जाना जाता है। तो चलिए आज हम आपको पार्वती घाटी के आसपास घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं-

कसोल

हिमाचल प्रदेश में मिनी इज़राइल के रूप में जाना जाता है, कसोल पार्वती घाटी में एक हिल स्टेशन है। यह कुल्लू से 42 किमी पूर्व में 1640 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। कसोल अपनी सुंदर घाटी, पहाड़ों और महान जलवायु के कारण पूरे वर्ष बैकपैकर्स, ट्रेकर्स और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर मौजूद कैफे और रेस्तरां स्थानीय व्यंजनों के साथ इजरायल के व्यंजन परोसते हैं। कसोल में पार्वती नदी सफेद पानी राफ्टिंग के लिए आदर्श है। कसोल में पूरे साल सुखद मौसम रहता है। कसोल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से मई तक है।

तोश

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं। हालाँकि कुछ हद तक इसका व्यवसायीकरण हो गया है, फिर भी सड़कें, दुकानें और घर समान हैं। आप दिन में अपने चारों ओर बर्फ से ढके पहाड़ों और ग्लेशियरों को देख सकते हैं और रात में आकाश में फैले मिल्की वे को देख सकते हैं। या आप पास के ट्रेकिंग ट्रेल्स पर घूमने जा सकते हैं।

रसोल

पार्वती घाटी के लोकप्रिय शहर कसोल से लगभग 4 किमी की दूरी पर स्थित, रशोल या रसोल एक गाँव है जो तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। पार्वती नदी की भीड़ से दूर, रसोल पहाड़ों में ऊंचे स्थान पर स्थित है, जो समुद्र तल से लगभग 3,000 मीटर की ऊंचाई पर है।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत ज़ांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुज़रना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुक्मेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियों के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी में घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वेदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

स्वच्छ गणतंत्र दिवस अभियान के अंतर्गत जम्मू नगर निगम आयुक्त ने विभिन्न वार्डों का व्यापक निरीक्षण किया

जम्मू, 10 जनवरी (हि.स.)। स्वच्छ गणतंत्र दिवस अभियान के अंतर्गत जम्मू नगर निगम आयुक्त ने विभिन्न वार्डों का व्यापक निरीक्षण किया। चल रहे स्वच्छ गणतंत्र दिवस अभियान के तहत जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने आज वार्ड संख्या 50, 51, 52, 53 और 54 का व्यापक निरीक्षण किया जिसमें छन्नी हिम्मत, त्रिकुटा नगर एक्सटेंशन, बसंत विहार, नानक नगर और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इस निरीक्षण के दौरान डॉ. यादव ने सड़कों, गलियों, नालियों और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता सहित समग्र स्वच्छता स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का आकलन किया और निवासियों को प्रदान की जा रही नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता और स्थिति का जायजा लिया। स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से कचरा उठाने, कचरे का उचित पृथक्करण करने और जलभराव और स्वास्थ्य संबंधी खतरों को रोकने के लिए नालियों की समय पर सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

डायरेक्टर कॉलेज ने जम्मू डिवीजन में एकेडमिक, स्टूडेंट सपोर्ट और गवर्नेंस पहलों को मज़बूत करने के लिए प्रिंसिपलों की बैठक की अध्यक्षता की

जम्मू, 10 जनवरी। केंद्र शासित प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को मज़बूत करने के लिए, डायरेक्टर कॉलेज J&K, डॉ. शेख एजाज़ बशीर ने शनिवार को जम्मू डिवीजन के सभी सरकारी डिग्री कॉलेजों के प्रिंसिपलों की एक बैठक की अध्यक्षता की, ताकि विभाग के मिशन और विज़न के अनुसार एकेडमिक अनुशासन, छात्र सहायता प्रणालियों और गवर्नेंस को मज़बूत किया जा सके।

डॉ. रविंदर टिकू, नोडल प्रिंसिपल, जम्मू डिवीजन कॉलेज, ने कार्यवाही शुरू की और बैठक को मुख्य उद्देश्यों और एजेंडा के बारे में बताया। मेज़बान संस्थान, लनरू साइंस कॉलेज जम्मू के प्रिंसिपल डॉ. रमेश कुमार गुप्ता ने गर्मजोशी से स्वागत किया और नए नियुक्त प्रिंसिपलों का परिचय कराया। सभा को संबोधित करते हुए, डायरेक्टर कॉलेज ने एकीकृत संस्थागत तालमेल, परिचालन उत्कृष्टता और छात्रों के कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। विभाग की डिजिटल गवर्नेंस पहलों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्लानिंग एंड डेवलपमेंट पोर्टल को संस्थागत डेटा के एकमात्र सत्यापित भंडार के रूप में दोहराया गया, जो रियल-टाइम रिपोर्टिंग, प्रिंसिपल-स्तर की जवाबदेही और सुव्यवस्थित ऑनलाइन स्टाफ सेवाओं को सक्षम बनाता है, जिसमें पासपोर्ट हहष्ट, विदेश यात्रा की अनुमति, क्व्हष्ठ अनुमोदन और ष्ट्र- जांच शामिल हैं। यह भी बताया गया कि डिजिटल हस्तक्षेप, विशेष रूप से मौजूदा सत्र के लिए आवश्यकता-आधारित एकेडमिक व्यवस्थाओं की नियुक्ति ने दक्षता, संचालन में आसानी और पारदर्शिता में काफी वृद्धि की है।

इसरो 12 जनवरी को आठ विदेशी सहित 16 उपग्रहों को कक्षा में भेजेगा

चेन्नई, 10 जनवरी (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने पीएसएलवी-सी62 मिशन के तहत सोमवार (12 जनवरी) को ईओएस-एन1 (ईओएस-एन1) नामक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह सहित कुल 16 उपग्रहों को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करेगा। इनमें आठ विदेशी उपग्रह भी शामिल हैं। यह प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से किया जाएगा।

इसरो की ओर से शनिवार को जारी बयान में बताया गया कि यह मिशन इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। ईओएस-एन1 उपग्रह के साथ 14 सहायक पेलोड (अनुसंधान उपकरण/उपग्रह) भेजे जाएंगे, जिनमें भारत के अलावा कई विदेशी ग्राहकों के पेलोड भी शामिल हैं।

इसरो के अनुसार, रॉकेट और उपग्रहों का एकीकरण पूरा हो चुका है और प्री-लॉन्च परीक्षण जारी हैं। पीएसएलवी-सी62 को 12 जनवरी को सुबह 10ः17 बजे प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके लिए 25 घंटे की काउंटडाउन प्रक्रिया 11 जनवरी से शुरू होगी। यह पीएसएलवी रॉकेट की 64वीं उड़ान होगी।

ईओएस-एन1 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को थाईलैंड और यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से विकसित किया गया है। रॉकेट के प्रक्षेपण के लगभग 17 मिनट बाद उपग्रह को निर्धारित सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित कर दिया जाएगा। पूरा मिशन दो घंटे से अधिक समय तक चलेगा इस मिशन की एक विशेष उपलब्धि यह है कि स्पेन की कंपनी का केस्ट्रेल इनिशियल टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटर (केआईडी)) कैप्सूल रॉकेट के चौथे चरण (पीएस4) से लगभग दो घंटे बाद अलग किया जाएगा। आमतौर पर पीएसएलवी मिशनों में उपग्रह 20 मिनट के भीतर अलग हो जाते हैं, लेकिन इस मिशन में एक नई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है।

नशा विरोधी संदेश को मिला भाजपा का समर्थन, जम्मू में फिल्म द लास्ट डोज़ का बैनर जारी

जम्मू, 10 जनवरी (हि.स.) जम्मू-कश्मीर भाजपा के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप माहोत्रा ने आज भाजपा मुख्यालय, त्रिकुटा नगर, जम्मू में सामाजिक रूप से प्रभावशाली फिल्म फ़द लास्ट डोज़फ़ का बैनर जारी किया। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर भाजपा के उपाध्यक्ष राजीव चाडक और रेखा महाजन सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

फिल्म का बैनर जारी करते हुए डॉ. प्रदीप माहोत्रा ने समाज में बढ़ते नशे के खतरे पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नशाखोरी न केवल एक व्यक्ति या एक परिवार को बर्बाद करती है बल्कि पूरे समाज और क्षेत्र की उत्पादकता को भी गहरी क्षति पहुंचाती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मनोरंजन और सृजनात्मक मीडिया की भूमिका जन-जागरूकता फैलाने, जनमत को दिशा देने और समाज को इस गंभीर समस्या के खिलाफ संगठित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नागरिक समाज, शैक्षणिक संस्थानों और मीडिया प्लेटफॉर्म्स से ऐसी सार्थक फिल्मों के प्रचार-प्रसार का आह्वान किया और ख्वाइश गुप्ता के नेतृत्व में पूरी टीम को नशे के खिलाफ एक सशक्त संदेश देने वाली फिल्म बनाने के लिए बधाई दी।

डॉ. प्रदीप ने कहा, फिल्म 'द लास्ट डोज़' नशाखोरी जैसे अत्यंत संवेदनशील और सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दे को उजागर करती है, जिसका सबसे अधिक प्रभाव युवाओं पर पड़ता है।

राजीव चाडक ने अपने संबोधन में जम्मू शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नशे के बढ़ते प्रसार का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया और कहा कि इस बुराई ने कई अनमोल युवा जिंदगियों को निगल लिया है। उन्होंने जिम्मेदार मीडिया, सोशल मीडिया और जम्मू क्षेत्र के उभरते फिल्म उद्योग की भूमिका को इस समस्या को उजागर करने और समाज को जागरूक करने में अहम बताया।

रेखा महाजन ने कहा कि द लास्ट डोज़ जैसी फिल्में समय की आवश्यकता हैं, क्योंकि वे कठोर सच्चाइयों को ऐसी भाषा में प्रस्तुत करती हैं, जो युवाओं से सीधे संवाद करती है।

भाजपा संस्कृति, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के संयोजक नरिंदर सिंह ने कहा कि यह प्रकोष्ठ सामाजिक यथार्थ को प्रतिबिंबित करने वाली कला, संस्कृति और सिनेमा को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

जम्मू कश्मीर में नई सेवाओं कॉलेजों और अस्पतालों के साथ आयुष के विस्तार का समर्थन किया

जम्मू, 10 जनवरी (हि.स.)। जम्मू में मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत हासिल की गई प्रगति की समीक्षा करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सेवा वितरण बुनियादी ढांचे के निर्माण और जम्मू-कश्मीर के जिलों में आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई पहलों पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव जीएमसी श्रीनगर के प्रधान एफडीए आयुक्त, स्वास्थ्य निदेशक कश्मीर जम्मू, आयुष निदेशक और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव को सूचित किया गया कि केंद्र शासित प्रदेश में स्थित सभी 523 आयुष्मान आरोग्य मंदिर 31 मार्च 2025 से पूरी तरह से चालू हो गए हैं। ये केंद्र आयुष सिद्धांतों और प्रथाओं पर आधारित आयुष स्वास्थ्य संबंधी हस्तक्षेप और रोगी देखभाल सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर रहे हैं। बुनियादी ढांचे के विकास की स्थिति की समीक्षा करते हुए यह जानकारी दी गई कि कुलगाम के चावलगाम में स्थित 50 बिस्तरों वाला एकीकृत आयुष अस्पताल बनकर तैयार हो चुका है और पूरी तरह से चालू हो गया है। दिसंबर 2025 तक अस्पताल के ओपीडी विभाग में 2024-25 के दौरान 12852 और 2025-26 के दौरान 5 546 मरीज़ आए। भूनिर्माण हर्बल गार्डन विकास और अन्य सुविधाओं सहित संबद्ध कार्यों को पूरा करने के लिए मानव संसाधन सहायता के अलावा एसएएपी 2025-26 के तहत 105 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

बच्चे देश का भविष्य हैं, इन्हें खूब पढ़ाएं :सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत

हिसार, 10 जनवरी (हि.स.)। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने पैतृक गांव पेटवाड़ में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि बच्चे भविष्य में हरियाणा और देश का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। उन्होंने युवाओं को सेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, सिविल सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं का और अधिक विकास होगा। पैतृक गांव में पहुंचने पर सीजेआई श्री सूर्यकांत का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के साथ उन्हें खुली जीप से मुख्य मंच तक लाया गया, जहां ग्रामवासियों ने पगड़ी पहनाकर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को सम्मानित किया।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने गांव, शिक्षकों, माता-पिता, बुजुर्गों और ग्रामवासियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के संघर्षों को साझा करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षकों की निष्ठा और बुजुर्गों के आशीर्वाद ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ा निवेश है और प्रत्येक परिवार को बच्चों की पढ़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली बच्चों को सामूहिक सहयोग से उच्च शिक्षा दिलाने का आह्वान किया तथा इसके लिए स्वयं आर्थिक सहयोग देने की भी घोषणा की। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आयोजन समिति, ग्रामवासियों और प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव का स्नेह और आशीर्वाद उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि इसी स्कूल में दसवीं कक्षा तक पढ़ाई की है। उन्होंने कहा कि बेशक उस समय स्कूलों में सुविधाएं अधिक नहीं होती थी लेकिन अध्यापकों में पढ़ाने के प्रति समर्पण बहुत अधिक था। उन्होंने याद करते हुए कहा कि इस स्कूल के बड़े हॉल में धान की पराली बिछाकर पढते थे और रात को भी अध्यापक काफी देर तक पढ़ाते थे, ताकि उनके स्कूल का परिणाम क्षेत्र के अन्य स्कूलों की तुलना में बढिया आए। इस दौरान गांव के विकास को लेकर बस स्टैंड के पास एक एकड़ जमीन पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण, पुराने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का नया भवन, डोबा वाले तालाब के पीछे हर्बल पार्क बनवाने, ई-पुस्तकालय स्थापित करवाने, डोबा तथा डोबी तालाब का सौंदर्यीकरण करवाने, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सौलर पैनल लगवाने सहित कई मांगे रखी गई, जिन पर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि कल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा था कि गांव की जो भी मांगे रखी जाएंगी, उन सभी को पूरा करवाया जाएगा।

पिस्तौल के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

जम्मू, 10 जनवरी (हि.स.)। जम्मू संभाग के सांबा जिले में पुलिस ने शनिवार को एक अपराधी को गिरफ्तार किया और उसके पास से एक देसी पिस्तौल बरामद की गई।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि रामगढ़ के जेदरा गांव का निवासी प्रीतम सिंह उर्फ सेठी पिछले साल विजयपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज संगठित अपराध से जुड़े एक मामले में वांछित था। वह इस मामले में गिरफ्तार किया गया चौथा व्यक्ति है। इससे पहले उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया गया था और उनके पास से तीन पिस्तौलें बरामद की गई थीं।

प्रवक्ता ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने सिंह को गिरफ्तार किया और उसके गांव से उसके खुलासे पर एक देसी पिस्तौल बरामद की। उन्होंने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

सशस्त्र पुलिस मुख्यालय (एपीएचक्यू) में शहीद स्मारक हॉकी टूर्नामेंट 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा

जम्मू, 10 जनवरी (हि.स.)। जम्मू स्थित सशस्त्र पुलिस मुख्यालय (एपीएचक्यू) में शहीद स्मारक हॉकी टूर्नामेंट 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा के लिए एडीजी सशस्त्र पुलिस ने अध्यक्षता की। जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सशस्त्र) आनंद जैन, आईपीएस की अध्यक्षता में सशस्त्र पुलिस मुख्यालय (एपीएचक्यू) जम्मू में शहीद स्मारक हॉकी टूर्नामेंट (एमएमएचटी) 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की गई जो 1 से 5 फरवरी 2026 तक जम्मू में आयोजित होने वाला है। यह टूर्नामेंट जम्मू-कश्मीर पुलिस के नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम (सीएपी) के तहत आयोजित किया जा रहा है। बैठक के दौरान एडीजी सशस्त्र पुलिस ने इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन के सुचारू और सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए तैयारियों की व्यापक समीक्षा की।

बैठक में भाग लेने वाली टीमों के लिए आवास, भोजन और भोजन की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा तैनाती, भीड़ नियंत्रण और प्रभावी अंतर-विभागीय समन्वय सहित प्रमुख पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया जैन ने सुदृढ़ सुरक्षा उपायों, कुशल यातायात विनियमन, पर्याप्त चिकित्सा सहायता और प्रभावी भीड़ प्रबंधन के महत्व पर जोर देते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा का सख्ती से पालन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाएं समय से काफी पहले अंतिम रूप दे दी जाएं। उन्होंने खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों के लिए सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक वातावरण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पुलिस ने रेहंबल में हेरोइन के साथ दो कुख्यात नशीले तस्करों को गिरफ्तार किया

उधमपुर, 10 जनवरी (हि.स.)। उधमपुर पुलिस ने रेहंबल में हेरोइन के साथ दो कुख्यात नशीले तस्करों को गिरफ्तार किया रेहंबल पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम काली माता मंदिर के पास नाकाबंदी ड्यूटी के दौरान फलाटा की ओर से गढ़ी की तरफ आ रही एक वैगनआर पंजीकरण संख्या जेके14सी-9728 को रोका। जांच के दौरम वाहन में दो व्यक्ति सवार पाए गए।

पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम मानिक ओबेरॉय पुत्र राजीव ओबेरॉय निवासी गढ़ी उधमपुर बताया जबकि यात्री ने अपना नाम सचिन कुमार पुत्र शाम लाल निवासी रेहंबल उधमपुर बताया। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 4.23 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। दोनों आरोपी बरामद पदार्थ के संबंध में कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सके।

रेहंबल पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8, 21, 22 के तहत एफआईआर संख्या 008 2025 दर्ज की गई है। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

GOVERNMENT OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION
KATHUA

Extension corigendum 2

Name of Work: Providing, Installation, Testing and Commissioning of Medical Grade Online Double Pass Reverse Osmosis (RO) Plant of 500 LPH Capacity, double Pass along with allied works for Hemodialysis Unit excluding 02 years CAMC at CHC Ramgarh District Samba.
Tender ID : 2025_PWDJK__299099_1
Reference: e-NIT No: MHDK/TECH/e-NIT/2025-26/66Dated 24.12.2025
Due to poor response the e-NIT No: MHDK/TECH/e-NIT/2025-26/66Dated:24.12.2025issued-for the work "Providing, Installation, Testing and Commissioning of Medical Grade Online Double Pass Reverse Osmosis (RO) Plant of 500 LPH Capacity, double Pass along with allied works for Hemodialysis Unit excluding 02 years CAMC at CHC Ramgarh District Samba " is hereby extended up to 12/01/2026 till 2.00 pm and shall be opened on 12/01/2026 at 04.30 pm. The revised critical dates can be seen/ downloaded from the J&K Govt. website www.jktenders.gov.in.
Rest all other terms and conditions of e-NIT shall remain the same.
No: - MHDK/Tech/3843-44 Dated: 09-01-2025

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Kathua.

DIP/J-10064/25
Dtd: 10-1-2026

ENIT NO. 51 OF 2025-26 DATED 06-01-2026
GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI PHE
MECHANICAL DIVISION UDHAMPUR
NOTICE INVITING TENDER
E-NIT JSPHEM/UDHR/ 51 OF 2025-26 DATED06-01-2026

Executive Engineer Jal Shakti PHE Mechanical Division, Udhampur, on behalf of the Lt. Governor of Jammu and Kashmir UT, invites tenders by e-tendering mode from registered firms who have sufficient experience in the relevant field of electro-mechanical/ electrical works.

Sl.	Name of the work	Qty	Name of D ivision	Cost of Tender Document / Tender Fee (in Rs)	Earnest Money (in Rs)	Bid validity
1	2	3	4	5	6	7
1	Replacement of wornout / damaged components of 120HP three phase induction motor unit no. 01 alongwith allied works at pumping station kaghote stage-0.	01 job	Jal Shakti PHE Mech. Division Udhampur	Rs. 200.00 (Non-refundable in shape of treasury challan in favour of the Executive Engineer Jal Shakti PHE Mech. Division Udhampur	(Rs. 1840.00) 2% (in case of non- registered firms) Or (Rs. 920.00) 1% (in case of firms registered with DIC / SSI / MSME)	90 days

1. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 06-01-2026 (18:00 Hrs.)
2. The Bids shall be deposited on the website http://jktenders.gov.in from06-01-2026 (18:30 Hrs.) to 15-01-2026(15:00 Hrs.).
3. After opening tender only successful bidder shall be asked for submitting the hard copies of documents with CDR and tender fee
4. The complete bidding process will be online http://jktenders.gov.in.
5. The technical bid will be opened on line on 16-01-2025 at 11.00 A.M or any other subsequent date in the office of the Executive Engineer Jal Shakti PHE Mechanical Division Udhampur.
6. The Financial bids of the bidders shall be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti PHE Mechanical Division Udhampur after evaluation of technical bids. The date shall be communicated separately.
7. Bids must be accompanied by bid security and cost of Tender Document as specified in column 5 & 6 of the table (and for DIC/SSI/MSME registered firms as per Industrial Policy of J&K govt.) payable at Udhampur pledged in favour of Executive Engineer, PHE Mechanical Division, Udhampur.
8. Bid security will have to be in form of CDR / FDR / BG of any scheduled bank and shall have to be valid for six month or more after last date of receipt of Bid. The cost of downloaded tender documents shall be in form of Treasury Challan / e-Challan in favour of Executive Engineer PHE Mechanical Division, Udhampur payable at Udhampur.
9. Firms who will fulfill the following parameters are eligible to participate.
i) Average Annual financial turnover during the last 3 years, ending 31 March of the previous financial year, should be at least 30% of this estimated cost.
ii) Experience of having successfully completed similar works during last 07 years ending last day of month previous to the one in which applications are invited should be either of the following:-
a. Three similar completed works costing not less than the amount equal to 40% of the estimated cost
b. Two similar completed works costing not less than the amount equal to 50% of the estimate cost.
c. One similar completed work costing not less than the amount equal to 80% of the estimated cost.
iii) Definition of "similar work" should be clearly defined.
10. The bid shall remain open for acceptance for a period of 90 days from the date of opening bids. If any bidder / tenderer withdraws his bid / tender before the said period or makes any modifications in the terms and conditions of the bid, the earnest money of the firm shall stand forfeited.
11. The tenderers are advised to visit the site of work before uploading their tenders so as to acquaint themselves with exact site conditions.
12. Other details can be seen in the bidding documents from the website http://jktenders.gov.in
NO. JSPHEMUDHR/2025-26/2121-24 Dated:-06-01-2026

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti PHE Mech. Division
Udhampur

DIP/J-10064/25
Dtd: 10-1-2026

उपायुक्त ने किसान खिदमत घरों के कृषि उद्यमियों को सीएससी बायोमेट्रिक किट और माइक्रो एटीएम वितरित किए

श्रीनगर, 10 जनवरी (हि.स.)। श्रीनगर के उपायुक्त अक्षय लबरू ने आज डीसी कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित एक समारोह में एचएडीपी के तहत जिले के किसान खिदमत घरों के कृषि उधियायों को सीएससी बायोमेट्रिक किट और माइक्रो एटीएम वितरित किए। इस समारोह का उद्देश्य डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देना और ग्राम स्तर पर सरकारी सेवाओं वित्तीय लेनदेन और किसान कल्याण योजनाओं की निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित करना कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त, मुख्य योजना अधिकारी, मुख्य बागवानी अधिकारी, मुख्य पशुपालन अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य पालन, जिला भेड़पालन अधिकारी, जिला रेशम उत्पादन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, एनआरएलएम और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।इस अवसर पर बोलते हुए डीसी ने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल से श्रीनगर जिले के कृषि उद्योगों को सशक्त बनाया जा सकेगा और किसानों के लिए डिजिटल और वित्तीय सेवाओं की पहुंच में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने जिले में डिजिटल समावेशन और नागरिक-केंद्रित सेवाओं की घर-घर डिलीवरी के महत्व पर बल दिया।

डीसी ने आगे कहा कि बायोमेट्रिक किट और माइक्रो एटीएम के वितरण से कॉमन सर्विसेज सेंटर पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा जिससे कृषि उद्योग आधार-आधारित सेवाएं बैंकिंग सुविधाएं और विभिन्न सरकारी सेवाएं जनता को कुशल और पारदर्शी तरीके से प्रदान कर सकेंगे।

डीसी ने यह भी बताया कि इस पहल से वित्तीय समावेशन बढ़ेगा पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे और किसानों और आम जनता के लिए आवश्यक सेवाओं की पहुंच में सुधार होगा।

संपादकीय

2026 के लिए उम्मीद

जैसे ही जम्मू और कश्मीर 2026 में कदम रखता है, बीता हुआ साल दर्द, लचीलेपन और सावधानी भरी उम्मीदों का एक जटिल मिश्रण छोड़ जाता है। 2025 को एक ऐसे साल के रूप में याद किया जाएगा जिसने क्षेत्र की मुश्किल से हासिल की गई स्थिरता की परीक्षा ली, फिर भी यह भी साबित किया कि लगातार सुरक्षा प्रयास और जनता का संकल्प हिंसा को ऐतिहासिक रूप से कम कर सकते हैं। लगातार खतरों की सबसे गंभीर याद अप्रैल में आई, जब बैसरन घाटी में पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई, जिनमें से ज़्यादातर हिंदू पर्यटक थे। इस घटना की क्रूरता ने न केवल सामान्य स्थिति की बढ़ती भावना को तोड़ा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख स्तंभ, पर्यटन के पुनरुद्धार पर भी चोट की। इस हमले की दुनिया भर में निंदा हुई और इसने इस बात पर ज़ोर दिया कि आतंकी नेटवर्क, हालांकि कमज़ोर हो गए हैं, फिर भी शांति भंग करने पर आमादा हैं। भारत की कड़ी प्रतिक्रिया, जिसमें सीमा पार हमले और नियंत्रण रेखा पर कड़ी निगरानी शामिल थी, ने मई में ऑपरेशन सिंदूर (OP Sindoor) के दौरान एक तनावपूर्ण दौर को चिह्नित किया, क्योंकि जवाबी गोलाबारी के कारण सीमावर्ती जिलों में नागरिकों की मौत हुई और नुकसान हुआ। फिर भी, यह तनाव ज़्यादा समय तक नहीं रहा। साल के मध्य तक, सुरक्षा बलों ने ऑपरेशनल प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया, पहलगाम हमले से जुड़े मुख्य अपराधियों को खत्म किया और घुसपैठ की कई कोशिशों को नाकाम किया। महत्वपूर्ण बात यह है कि अप्रैल के बाद नागरिकों को निशाना बनाने वाली कोई बड़ी आतंकी घटना नहीं हुई। सुरक्षा के अलावा, 2025 ने गैर-पारंपरिक कमजोरियों को भी उजागर किया। अगस्त में भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ, जिससे नीति निर्माताओं को याद दिलाया गया कि जलवायु लचीलापन अब आतंकवाद विरोधी उपायों जितना ही महत्वपूर्ण है। नवंबर में श्रीनगर पुलिस सुविधा में दुखद आकस्मिक विस्फोट, जिसमें कई लोगों की जान चली गई, ने सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल और संस्थागत सुरक्षा उपायों की आवश्यकता को और उजागर किया। फिर भी, इन चुनौतियों के बीच, एक बड़ा रुझान सामने आता है:- उग्रवाद से संबंधित हिंसा लगभग 25 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई। यह उपलब्धि लगातार खुफिया-आधारित अभियानों, सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और जनता के अधिक सहयोग को दर्शाती है। हालांकि अप्रैल के बाद पर्यटन को झटका लगा, लेकिन साल के अंत तक सुधार के संकेत स्थिरता में अंतर्निहित विश्वास की ओर इशारा करते हैं। जम्मू और कश्मीर को मानसून के दौरान, विशेष रूप से अगस्त में, कई विनाशकारी बादल फटने का भी सामना करना पड़ा, जिससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ और अत्यधिक मौसम के बढ़ते प्रभाव को उजागर किया। 14 अगस्त को किश्तवाड़ में मचैल माता यात्रा के दौरान सबसे बड़ी त्रासदी हुई, जहाँ बादल फटने से 68 लोगों की जान चली गई। कठुआ, डोडा और रामबन में भी ऐसी ही घटनाओं से मरने वालों की संख्या बढ़ गई, जिससे बादल फटने से सीधे तौर पर होने वाली मौतों की संख्या 80 से ज़्यादा हो गई। ये घटनाएँ साल भर में दर्ज की गई लगभग 199 मौसम संबंधी मौतों का एक बड़ा हिस्सा थीं – जो पिछले 15 सालों में इस क्षेत्र में सबसे ज़्यादा थीं – जो मज़बूत आपदा तैयारी और जलवायु-लचीली योजना की तत्काल ज़रूरत को रेखांकित करती हैं। जैसे ही 2026 शुरू होता है, 2025 का संदेश साफ़ है। जम्मू और कश्मीर में शांति अब दूर की बात नहीं है, बल्कि एक नाज़ुक सच्चाई है जिसे लगातार सहेजने की ज़रूरत है। सुरक्षा लाभों को बिना किसी लापरवाही के मज़बूत किया जाना चाहिए, सीमा तनाव को दृढ़ता और संयम के साथ संभाला जाना चाहिए, और सुरक्षा के साथ-साथ विकास को भी आगे बढ़ाया जाना चाहिए। आपदा तैयारी, बुनियादी ढाँचे की मज़बूती और समुदाय के भरोसे में निवेश करना भी उतना ही ज़रूरी है। नया साल संकटों को संभालने से लेकर निवासियों, निवेशकों और आगंतुकों के बीच विश्वास बनाने का अवसर प्रदान करता है। यदि 2025 के सबक को दूरदर्शिता और एकता के साथ लागू किया जाता है, तो 2026 एक ऐसा साल हो सकता है जहाँ स्थिरता गहरी हो, विकास व्यापक हो, और जम्मू और कश्मीर धीरे-धीरे रिकवरी से नवीनीकरण की ओर बढ़े।

यंग लीडर्स डायलॉग और युवा शक्ति से विकसित भारत

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह कोई साधारण जनवरी नहीं है। यह वह समय है जब राष्ट्र अपनी सबसे बड़ी पूंजी, यानी युवा शक्ति से सीधा संवाद करने जा रहा है। प्रश्न सरल है, पर गहन है। क्या हम केवल भविष्य की बातें करेंगे या भविष्य का निर्माण भी करेंगे। इसी प्रश्न के केंद्र में 12 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाला विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग खड़ा है और इसी संवाद की धड़कन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह आवाज सुनाई देती है जो युवाओं उनके साथ मिलकर राष्ट्र निर्माण की यात्रा तय करना चाहती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि अद्भुत जोश और बेमिसाल जज्बे से भरी हमारी युवा शक्ति सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के लिए संकल्पबद्ध है। यह कथन देखा जाए तो समकालीन भारत की राजनीतिक और सामाजिक चेतना का सार है। यह वक्तव्य प्रधानमंत्री मोदी के आधिकारिक वक्तव्यों के संकलन Exam Warriors में युवाओं के संदर्भ में व्यक्त विचारों की निरंतरता को दर्शाता है

(लेखक नरेंद्र मोदी, प्रकाशक:- पेंग्विन इंडिया, संस्करण 2018, पृष्ठ 23)।

12 जनवरी 2026 को स्वामी विवेकानंद की जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इस संवाद में प्रधानमंत्री देशभर से चयनित लगभग तीन हजार युवा नेताओं और अंतरराष्ट्रीय प्रवासी समुदाय के युवा प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। यह संवाद इस विश्वास को पुष्ट करता है कि भारत का युवा सिर्फ सुनने वाला वर्ग नहीं, बल्कि नीति निर्माण की प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। यही कारण है कि इस मंच पर युवा नेता शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, सामाजिक न्याय, पर्यावरण और शासन जैसे विषयों पर अपना संवाद करने आज प्रखरता के साथ संवाद करने आगे आ रहे हैं ।

अब प्रश्न उठता है कि 12 जनवरी ही क्यों। इसका उत्तर भारत की राष्ट्रीमय चेतना से जुड़ा है। 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद भारत के लिए सिर्फ एक संन्यासी नहीं थे, वे भारत की युवा चेतना के शिल्पकार हैं। उनका प्रसिद्ध कथन उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए आज भी युवाओं के लिए जीवन मंत्र है। यह उद्धरण स्वामी विवेकानंद की पुस्तक Lectures from Colombo to Almora में संकलित है (लेखक- स्वामी विवेकानंद, अद्वैत आश्रम प्रकाशन, कोलकाता, पृष्ठ 16)। स्वामी विवेकानंद का विश्वास था कि युवा समाज की सबसे शक्तिशाली ऊर्जा होते हैं। उन्होंने कहा था कि युवाओं में लोहे जैसी मांसपेशियां और फौलादी नसें होनी चाहिए, जिनका हृदय वज्र तुल्य संकल्प से भरा हो। यह विचार The Complete Works of Swami Vivekananda के खंड 3 में युवाओं को संबोधित व्याख्यानों में मिलता है (लेखक स्वामी विवेकानंद, अद्वैत आश्रम, खंड 3, पृष्ठ 242)।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत, स्वस्थ भारत और विकसित भारत की जो परिकल्पना प्रस्तुत की जा रही है, वह विवेकानंद के उसी वज्र संकल्प का आधुनिक रूप है। आत्मनिर्भर, स्वस्थ भारत अभियान के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य ढांचे के सुदृढ़ीकरण पर किया जा रहा निवेश इस विचार को मजबूत करता है कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। यह वही विचार है जिसे विवेकानंद ने कहा था कि कमजोरी मृत्यु है और शक्ति ही जीवन है, जिसका उल्लेख The Complete Works of Swami Vivekananda, खंड 1, पृष्ठ 18 पर मिलता है। शिक्षा के क्षेत्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी विवेकानंद के विचारों की ही प्रतिध्वनि है। स्वामी विवेकानंद ने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा जानकारियों का बोझ नहीं होनी चाहिए, वह चरित्र निर्माण का साधन बने। यह कथन My Idea of Education नामक संकलन में मिलता है (लेखक- स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण मिशन, पृष्ठ 32)।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वामी विवेकानंद के विषय में लिखा था कि स्वामीजी इसलिए महान हैं क्योंकि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान के बीच सामंजस्य स्थापित किया। यह उद्धरण नेताजी की पुस्तक The Indian Struggle में विवेकानंद पर लिखी टिप्पणी से उद्धृत है (लेखक- सुभाष चंद्र बोस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, पृष्ठ 288)। प्रसिद्ध इतिहासकार ए. एल. बाशम कहते हैं कि स्वामी विवेकानंद को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माताओं में याद किया जाएगा। यह टिप्पणी उनकी पुस्तक The Wonder That Was India के उपसंहार भाग में मिलती है (लेखक- ए. एल. बाशम, पेंग्विन बुक्स, पृष्ठ 562)।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को निर्भय बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सारी शक्ति मनुष्य के भीतर है और यह सोच कि हम कमजोर हैं, सबसे बड़ा भ्रम है। यह विचार The Complete Works of Swami Vivekananda, खंड 2, पृष्ठ 299 में स्पष्ट रूप से मिलता है। वे चाहते थे कि युवा सामाजिक सेवा में उतरें, समाज के सबसे कमजोर वर्ग को अपना भगवान मानें और सेवा को साधना समझें। आज विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग उसी सेवा और साधना को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर रहा है। डिजाइन फॉर भारत और टेक फॉर विकसित भारत जैसी पहलें यह बताती हैं कि तकनीक अब सिर्फ सुविधा नहीं रही है या हो सकती है, यह इससे कहीं आगे सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन गई है।

आज कहना यही होगा कि स्वामी विवेकानंद केवल भारत की युवा चेतना के जागरण के सबसे प्रखर उद्घोषक हैं। उन्होंने युवाओं की बुद्धि, शक्ति और आत्मविश्वास को पहचानते हुए उन्हें यह अमर संदेश दिया था कि उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको। यह वाक्य केवल राष्ट्र निर्माण का सूत्र है। विवेकानंद का विश्वास था कि युवा केवल समाज का हिस्सा नहीं होते, वे ही परिवर्तन के वाहक होते हैं। इसी कारण उन्होंने युवाओं से अपार आशाएं रखीं और उन्हें भारत के भविष्य का शिल्पकार माना।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वामी विवेकानंद के विषय में लिखा था कि स्वामीजी इसलिए महान हैं क्योंकि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान के बीच सामंजस्य स्थापित किया। यह उद्धरण नेताजी की पुस्तक The Indian Struggle में विवेकानंद पर लिखी टिप्पणी से उद्धृत है (लेखक- सुभाष चंद्र बोस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, पृष्ठ 288)। प्रसिद्ध इतिहासकार ए. एल. बाशम कहते हैं कि स्वामी विवेकानंद को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माताओं में याद किया जाएगा। यह टिप्पणी उनकी पुस्तक The Wonder That Was India के उपसंहार भाग में मिलती है (लेखक- ए. एल. बाशम, पेंग्विन बुक्स, पृष्ठ 562)।

राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी कालजयी कृति संस्कृति के चार अध्याय में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक योगदान को अत्यंत सटीक शब्दों में अभिव्यक्त किया है। दिनकर लिखते हैं कि अभिनव भारत को जो कुछ कहना था, वह विवेकानंद के मुख से प्रकट हुआ। विवेकानंद नए भारत की दिशा स्पष्ट करके के साथ स्वयं वह सेतु बने, जहां प्राचीन भारत की आध्यात्मिक परंपरा और आधुनिक भारत की कर्मठ चेतना एक-दूसरे से जुड़ती है। उनके विचारों में परंपरा का गर्व भी है और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि भी।

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन क्षण में हम उस महान विचारक को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने युवा शक्ति को राष्ट्र की जीवन ऊर्जा और सामाजिक प्रगति की मूल प्रेरक शक्ति माना। उन्होंने यह सिखाया कि राष्ट्र का उत्थान केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जाग्रत, चरित्रवान और सेवा-भाव से प्रेरित युवाओं से होता है। आज उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा पीढ़ी की असीम संभावनाओं को पहचाना है और उन्हें सही दिशा देने का संकल्प लिया है। उन्होंने युवाओं को ज्ञान, कौशल और सेवा के पथ पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उनके दृष्टिकोण में GYAN केवल एक शब्द नहीं, बल्कि समावेशी विकास का दर्शन है, जहां जी गरीबों के कल्याण का प्रतीक है, वाई युवा सशक्तीकरण का संकल्प है, ए अन्नदाताओं और खाद्य प्रदाताओं के समर्थन का भाव है और एन नारी कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वस्तुत- हमारे प्रधानमंत्री मोदी का भी यही विश्वास है कि जब युवा अपने सामर्थ्य को पहचानते हैं, तो राष्ट्र स्वयं नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होता है। अमृत काल में विकसित भारत की यात्रा में 12 जनवरी 2026 के संदर्भ में कहना होगा यह युवा आत्मविश्वास, राष्ट्रीय संकल्प और विवेकानंद के स्वप्न का जीवंत उत्सव है। यही उस महान संन्यासी को सच्ची श्रद्धांजलि है और यही भारत के उवल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला भी है।

हिंदी का विस्तृत होता आकाश

-गिरीश्वर मिश्र

ज्ञान और भाषा का गहरा रिश्ता है। महान चिंतक भर्तृहरि की मानें तो भाषा के आलोक में ही दुनिया दिखती है:- सर्वं शब्देन भासते।

ज्ञान-सृजन, ज्ञान संरक्षण तथा अगली पीढ़ी तक ज्ञान संक्रमण का कार्य भाषा से ही हो पाता है। चिंतन और सर्जनात्मकता के लिए भाषा जरूरी है। इस तरह भाषा मानव जीवन के उत्कर्ष का साधन है जो नैसर्गिक रूप से सभी मनुष्यों को प्राप्त है। वह व्यक्ति और समाज दोनों ही स्तरों पर स्मृति और कल्पना को सुदृढ़ करती है।

भारत भाषाओं की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है जहाँ हज़ार से अधिक भाषाएं विद्यमान हैं। इनमें बहुतेरी ऐसी भी हैं जो सिर्फ़ बोली जाती हैं। उनकी लिपि ही नहीं है।

इस भाषिक परिवेश में भाषाओं की बहुलता से द्विभाषिकता सहज है और बहुभाषिकता भी काफी पाई जाती है। हिंदी मध्य देश में बोली जाने वाली भाषा समूह का नाम है। ऐतिहासिक रूप से हिंदी हिंद की भाषा है और समग्र देश से जुड़ी रही है। आज इसके बोलने वाले विस्तृत भू भाग में पसरे हैं और अनेक देशों में मौजूद हैं।

ऐसे में हिंदी के कई कई रूप उसकी बोलियों में मिलते हैं। हिंदी भारत के लोक जीवन व्याप्त रही और देश के स्वतंत्रता संग्राम में उसकी अखिल भारतीय भागीदारी ने उसे राष्ट्रभाषा बना दिया। जनता से जुड़ने के प्रयास में हिंदी भारत में चतुर्दिक गूंजी। सहज सम्पर्क के लिए हिंदी स्वाभाविक माध्यम बनी महाराष्ट्र हो या बंगाल, कश्मीर हो या गुजरात, पंजाब हो या दक्षिण भारत हर कहीं हिंदी को अंगीकार किया गया।

अंग्रेज सरकार सरकारी तंत्र और शिक्षा में अंग्रेजी वर्चस्व स्थापित किया जिसके अवशेष अभी भी विद्यमान हैं। संविधान में सरकारी काम-काज की भाषा यानी 'राज भाषा ' (आफीशियल लैंग्वेज) का विचार अपनाया गया। संविधान का भाग 17 का अनुछेद 343 कहता है संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देव नागरी' होगी। राजभाषा को अपरिभाषित छोड़ दिया गया परंतु प्रशासनिक उद्देश्य से उसे जोड़ा गया। साथ ही अनुछेद 351 में हिंदी के विकास को संघ के कर्तव्य के रूप में अंकित किया गया। राजभाषा विभाग बना और हिंदी फले-फूले इसके लिए बहुत से उपक्रम शुरू हुए।

राजभाषा नीति और उसके अनुपालन को लेकर धींगामुश्ती होती रही। संविधान ने आठवीं सूची नामक एक विशेष प्रावधान भी बनाया और 14 भाषाओं की सूची डाली। इस सूची का विस्तार होता रहा और अब इसमें 22 भाषाएं हैं।

अभी 38 अन्य भाषाओं से गुहार है कि उनको भी शामिल कर लिया जाय हालांकि सूची में सदस्यता का भाषा के विकास के साथ कोई कार्य कारण सम्बन्ध नहीं दिखता। 1965 तक आते आते हिंदी की राजभाषा का सवाल मुल्तवी हो गया क्योंकि वह सक्षम नहीं लगी और अंग्रेजी में कार्य करते रहने के लिए असीमित छूट ले ली गई।

अंग्रेजी का वर्चस्व बना रहा। इस बीच हिंदी के संस्थानों, समितियों, पुरस्कारों, समितियों, अकादमियों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहल होती रही। अब अनेक विश्वविद्यालयों, कार्यालयों और प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी में अवसर मिल रहे हैं तथापि स्थिति पूर्णतः संतोषजनक नहीं है। मीडिया, सिनेमा, व्यापार, विज्ञापन और लोक भाषा के रूप में हिंदी आगे बढ़ रही है। भारत के बाहर मॉरिशस, गुयाना, फ़ीजी, त्रिनिदाद, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देशों में भारतीय मूल के लोग वर्षों पहले पहुंचे और अपने साथ हिंदी भी ले गए। पड़ोसी देशों में भी हिंदी बोली और समझी जाती है। इसके अतिरिक्त हिंदी का पठन पाठन अनेक देशों में होता है।

हिंदी की अंतरराष्ट्रीय छवि को तब विशेष बल मिला जब नागपुर में 10 जनवरी 1975 में नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मलेन का पहली बार आयोजन हुआ। इस ऐतिहासिक पहल की स्मृति में 2006 से 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाया जा रहा है। हिंदी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में बढ़ावा देने के संकल्प के साथ यह आयोजन शुरू हुआ था और तब से बारह ऐसे सम्मेलन भारत और अन्य देशों में हो चुके हैं। मारिशस में एक विश्व हिंदी सचिवालय तथा वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय बना है। अन्तर राष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध परिषद अनेक देशों में हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन के लिए प्राध्यापकों को उपलब्ध कराती है। हिंदी के वैश्विक प्रचार प्रसार के अनेक प्रयास हो रहे हैं। 12 वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन फ़िजी में हुआ था। ऐसे सम्मेलनों से न केवल हिंदी को वैश्विक मंच मिला है बल्कि विश्व में अन्यत्र रहने वाले हिंदी भाषियों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में भी मदद मिली है।

आज हिंदी भाषा संयुक्त राष्ट्र में ग़ैर आधिकारिक भाषाओं की सूची में सम्मिलित है। विश्व में अंग्रेजी और मंडारिन (चीनी) भाषाओं के बाद इसी का स्थान आता है। प्रवासी समुदाय में हिन्दी प्रचलित है, उसका उच्च कोटि का साहित्य है और अनुमानतः 60 करोड़ से अधिक लोग इसे बोलते हैं। हिंदी के प्रति जागरूकता और प्रचार प्रसार का कार्य प्रगति पर है। इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक के विकास पर केंद्रित है । आज इसे कोडिंग से लेकर डिजिटल प्लेटफार्म पर उपयोग के लिए आसान बनने का प्रयास हो रहा है। मशीन अनुवाद में बड़ी सफलता मिल रही है। कृत्रिम मेधा (एआई) के सहयोग से अपार संभावनाएं उभर रही हैं जिससे हिंदी को बड़ा आकाश मिल सकेगा।

स्मरणीय है कि संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी की गूंज 4 अक्टूबर 1977 को विदेश मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण द्वारा हुई थी परंतु अभी तक आधिकारिक भाषा की सूची में नहीं आ सकी है। संयुक्त राष्ट्र में अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी अरबी और रूसी ये आधिकारिक भाषाएँ है।

स्मृति और भाषा के बीच जैसे बड़ा गहरा रिश्ता है उसी तरह स्मृति हमारी अपनी पहचान से भी जुड़ी हुई है । विश्व के अनेक देशों में फैले भारतीय मूल के लोगों का हिन्दी से लगाव और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में रुचि इसकी पुष्टि करती है। विदेशों के कई विश्व विद्यालय हिन्दी के अध्यापन और अनुसंधान में लगे हुए हैं । हिन्दीभाषी जन-समुदाय के संख्या बल को देखते हुए एक बड़े बाजार का अवसर भी दिखता है और हिन्दी के प्रसार को बल मिलता है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

लाल बहादुर शास्त्री : भारतीय राजनीति के अमूल्य रत्न

– श्वेता गोयल

2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम पुण्यतिथि मना रहे हैं। भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद उज्बेकिस्तान में ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ घंटों बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से 11 जनवरी 1966 की रात उनका निधन हो गया।

शास्त्री जी के बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए स्मरण किया जाता है । ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। उनसे जुड़े ऐसे अनेकों किस्से याद किए जाते रहेंगे।

जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे।

किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किलोमीटर चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज।' उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिताजी को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

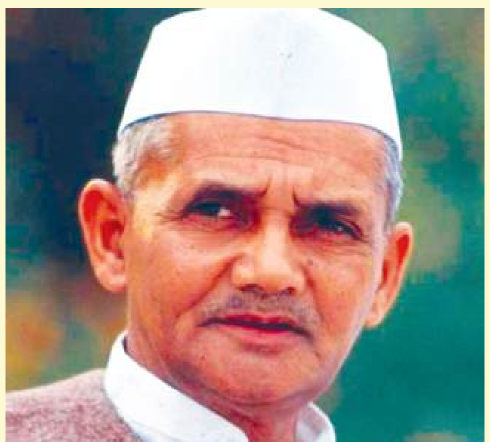

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन हेतु आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

पत्नी ललिताजी को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

रेलमंत्री रहते शास्त्री जी एक बार रेल के एसी कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई।

(लेखिका, शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय हैं।)

केआईबीजी 2026: प्रसन्ना बेंद्रे ने पेंचक सिलाट में बरकरार रखी बादशाहत, सिर्फ 20 दिनों में नए वजन वर्ग में रचा इतिहास

एजेंसी

दीव। दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव के स्टार पेंचक सिलाट खिलाड़ी प्रसन्ना बेंद्रे ने एक बार फिर अपने जज्बे और मेहनत से सभी को प्रभावित किया। खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2026 में उन्होंने टांडिंग स्पर्धा में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की, वह भी ऐसे हालात में जब उन्हें महज 20 दिनों में अपना वजन वर्ग बदलना पड़ा। प्रसन्ना अपने घरेलू मैदान पर 40-45 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक का बचाव करना चाहते थे, लेकिन प्रतियोगिता से ठीक पहले वजन वर्गों में बदलाव कर दिया गया। केआईबीजी 2026 में टांडिंग स्पर्धा में उनका नियमित वजन वर्ग शामिल नहीं था, जिसके चलते उन्हें या तो 50-55 किग्रा वर्ग में उतरना था या फिर प्रतियोगिता से बाहर होना था। 23 वर्षीय प्रसन्ना ने हार मानने के बजाय चुनौती को स्वीकार किया। सिर्फ 20 दिनों में उन्हें न केवल वजन बढ़ाना था, बल्कि खुद से ज्यादा ताकतवर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करने के लिए मानसिक और तकनीकी रूप से भी तैयार होना था। उन्होंने फाइनल में मणिपुर के रोहित मैतेई को हराकर घोघला बीच, दीव में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मलेशिया ओपनः सेमीफाइनल में वांग से हारीं सिंधु, भारत का अभियान समाप्त

कुआलालंपुर। भारत की स्टार शटलर पी. वी. सिंधु का शानदार सफर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में खत्म हो गया। सीजन के पहले टूर्नामेंट में सिंधु को चीन की वर्ल्ड नंबर दो खिलाड़ी वांग झीयी के खिलाफ सीधे गेम में 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु दबाव को बरकरार नहीं रख सकीं और मुकाबले के दौरान उनसे कई अनफोर्स्ड एरर हो गए। यह मुकाबला उनके लिए खास इसलिए भी था क्योंकि वह अक्टूबर पिछले साल के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रही थीं। पैर की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहीं सिंधु दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त पर भी गंवा बैठीं। मुकाबले की शुरुआत में सिंधु ने ऊंची रैंक वाली प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने दमदार स्मैश लगाए और अपने लंबे कद का फायदा उठाते हुए 5-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, वांग की सटीक नेट प्ले और बेहतर टच ने उन्हें बराबरी पर ला दिया।

वर्ल्ड कप विवाद के मानसिक दबाव पर नजमुल का खुलासा, कहा-हम सब ठीक होने का अभिनय कर रहे हैं

ढाका। बांग्लादेश टेस्ट टीम के कप्तान नजमुल हुसैन ने शुक्रवार को कहा कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर चल रहे विवाद का खिलाड़ियों पर गहरा मानसिक असर पड़ रहा है और टीम के खिलाड़ी यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि 'सब कुछ ठीक है', जबकि हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। भारत में प्रस्तावित टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने संकेत दिया है कि यदि उनके मैच भारत से बाहर नहीं कराए गए तो टीम टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती। इस स्थिति के चलते खिलाड़ी मानसिक रूप से बेहद थक चुके हैं और कई खिलाड़ियों की रातों की नींद उड़ गई है नजमुल ने पत्रकारों से कहा, 'अगर आप हमारे वर्ल्ड कप के प्रदर्शन को देखें तो हम कभी लगातार अच्छा क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं। पिछले साल हमने अच्छा किया था, लेकिन उससे बेहतर मौके भी थे, जिनका हम फायदा नहीं उठा सके। मेरे तीन वर्ल्ड कप के अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि हर वर्ल्ड कप से पहले कुछ न कुछ जरूर होता है और इसका असर जरूर पड़ता है।' उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'हम यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि हमें किसी बात से फर्क नहीं पड़ता और हम पूरी तरह पेशेवर क्रिकेटर हैं। आप लोग भी समझते हैं कि हम अभिनय कर रहे हैं – यह आसान नहीं होता।'

केआईबीजी 2026 (राउंडअप): केरल पुरुष और ओडिशा महिला टीम ने बरकरार रखा बीच सॉकर स्वर्ण, मध्य प्रदेश पदक तालिका में शीर्ष पर

दीव। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 (केआईबीजी 2026) में डिफेंडिंग चैंपियन केरल की पुरुष और ओडिशा की महिला टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बीच सॉकर के स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिए। घोघला बीच पर शुक्रवार को खेले गए फाइनल मुकाबलों में केरल पुरुष टीम ने गोवा को 8-2 से हराया, जबकि महिला वर्ग में ओडिशा ने गुजरात को 2-1 से मात दी। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 का आयोजन केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता का तकनीकी संचालन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और राष्ट्रीय खेल महासंघों की निगरानी में हो रहा है। केआईबीजी के दूसरे संस्करण में 1100 से अधिक खिलाड़ी आठ खेलों– वॉलीबॉल, सॉकर, सेपकटकरॉ, कबड्डी, पेनकाक सिलाट, ओपन वॉटर स्विमिंग, मल्लखंभ और रस्साकशी–में हिस्सा ले रहे हैं। केआईबीजी 2026 के समापन में अब केवल एक दिन शेष है और मध्य प्रदेश ने पेनकाक सिलाट में शानदार प्रदर्शन के दम पर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। सरुण सोनवणे (पुरुष 70-75 किग्रा) और महेंद्र स्वामी (पुरुष 85-90 किग्रा) ने टांडिंग वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर मध्य प्रदेश का कुल पदक आंकड़ा तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य तक पहुंचा दिया।

पीवी सिंधु मलेशिया ओपन से बाहर, सेमीफाइनल में चीनी खिलाड़ी से हारीं

एजेंसी

क्वालालंपुर। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु मलेशिया ओपन से बाहर हो गई हैं। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में उन्हें दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी चीन की वांग झियी से 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट वांग झियी के खिलाफ दबाव नहीं बना सकीं। पैर की चोट से उबरने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही सिंधु ने दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त भी गंवा दी। हार के साथ ही टूर्नामेंट में उनके सफर का निराशाजनक अंत हो गया। सिंधु ने वांग झियी को मुकाबले की शुरुआत में कड़ी टक्कर दी। उन्होंने जोरदार शॉट लगाए और अपने खास क्रॉस-कोर्ट स्मैश लगाकर 5-2 की बढ़त बना ली, लेकिन वांग के हल्के टच ने उन्हें लगातार अंक दिलाकर बराबरी करने में मदद की। पहले गेम में एक समय सिंधु 9-7 से आगे चल रही थीं, लेकिन चीनी खिलाड़ी ने एक बार फिर वापसी की और इंटरवल पर सिंधु के नेट पर शॉट चूकने पर एक अंक की मामूली बढ़त बना ली।

मैच फिर से शुरू होने के बाद स्कोर एक समय 13-13 से बराबर था। 15-14 पर, वांग ने लगातार आक्रामक शॉट्स से दबाव बढ़ाया। वह 18-14 पर पहुंच गईं, एक जबरदस्त रैली में एक अंक गंवाया, फिर चार गेम अंक हासिल किए और ओपनर खत्म किया क्योंकि सिंधु वाइड चली गईं। दूसरे गेम में सिंधु दो गलतियों के बाद 1-3 पर फिसल गईं, लेकिन उन्होंने वापसी की, और 6-3 से आगे निकलने के लिए जोरदार रैली बनाई। वांग ने अंतर कम किया, फिर भी सिंधु ने बीच के समय में अपनी विरोधी खिलाड़ी को तेज एंगल से कोनों की ओर धकेलकर अपना दबदबा बनाया, जिससे ब्रेक तक 11-6 की बढ़त हो गई। वांग ने दोबारा गेम शुरू होने के बाद जोरदार वापसी की, तेज रैलियों में हिस्सा लिया, लेकिन सिंधु ने लगभग परफेक्ट नेट शॉट्स से जवाब दिया और 13-9 से आगे रहीं। वांग ने फिर वापसी की, जब सिंधु के शॉट्स बाहर और नेट में चले गए, और 13-13 से बराबरी कर ली। इसके बाद 16-13 की बढ़त के साथ वांग झियी ने मैच अपने नाम कर लिया।

यूनाइटेड कपः डी मिनौर और स्वियाटेक ने दर्ज की जीत, क्वार्टर फाइनल के करीब पोलैंड

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने सिडनी में यूनाइटेड कप क्वार्टर फाइनल को निर्णायक मिक्स्ड डबल्स टाई में पहुंचा दिया। उन्होंने पोलैंड के ह्यूबर्ट हुरकाज के खिलाफ 6-4, 4-6, 6-4 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 6 ने अपने पहले चार सर्विस गेम में मिले सभी नौ ब्रेक प्वाइंट्स बचाए, जिसमें दूसरे गेम में चार ब्रेक प्वाइंट्स शामिल थे। इससे पहले, विश्व नंबर-2 इगा स्वियातेक ने उभरती हुई स्टार माया जॉइंट को सीधे सेटों में मात दी। अब यह टाई मिक्स्ड डबल्स से तय होगा, जिसमें जीतने वाली टीम शनिवार रात होने वाले सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन संयुक्त राज्य अमेरिका से भिड़ेगी। पिछले साल के ग्रास सीजन के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे ह्यूबर्ट हुरकाज अपने पहले तीन सर्विस गेम में लगभग अजेय थे।

उन्होंने सर्व पर सिर्फ एक प्वाइंट गंवाया, लेकिन रिटर्न गेम में मौकों को भुनाने में नाकाम रहने से वह लगातार निराश होते गए। सेट के आखिरी चरणों में उनकी अनफोर्स्ड एरर की संख्या बढ़ गई। इसके बाद डी मिनौर ने तीन ब्रेक प्वाइंट्स बचाकर स्कोर 4-4 से बराबर किया, लेकिन 26 वर्षीय खिलाड़ी ने निर्णायक ब्रेक हासिल किया और फिर सर्विस पर लगातार 21 अंक जीत लिए, हालांकि दूसरे सेट के अंत में वह अप्रत्याशित रूप से अपनी सर्विस गंवा बैठे। इसके बाद उन्होंने तीसरे सेट में जल्दी ब्रेक किया और यूनाइटेड कप सिंगल्स में 11 मैचों में अपनी आठवीं जीत पक्की की। इससे पहले, इगा स्वियातेक ने माया जॉइंट के खिलाफ 6-1, 6-1 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला महज 57 मिनट तक चला।

महिला प्रीमियर लीग 2026: आरसीबी को झटका, पूजा वस्त्रकार हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण दो सप्ताह के लिए बाहर

एजेंसी

नवी मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मुंबई इंडियंस पर आखिरी गेंद पर धमाकेदार जीत दर्ज की थी। जीत के बाद आरसीबी को एक बड़ा झटका लगा है। टीम की तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकार हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण दो सप्ताह के लिए बाहर हो गई हैं। पूजा वस्त्रकार के बाहर होने की पुष्टि टीम के हेड कोच मलोलन रंगराजन ने की। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के बाद आरसीबी के हेड कोच ने मीडिया से कहा, 'पूजा वस्त्राकर चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। बीसीसीआई में रिहैब के लिए मौजूद पूजा को हैमस्ट्रिंग इंजरी हो गई है। वह दो सप्ताह के लिए बाहर रहेंगी।' वस्त्राकर नीलामी के दौरान थीं और बीसीसीआई के क्रिकेट ऑफ एक्सिलेंस में रिकवरी की प्रक्रिया से गुजर रही थीं। लीग के शुरू होने तक उनके ठीक होने की उम्मीद थी। रिलीज किए जाने से ठीक पहले उन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी हो गई। दाएं हाथ की

तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर पिछले तीन सीजन मुंबई इंडियंस का हिस्सा थीं। महिला प्रीमियर लीग 2026 के लिए हुई नीलामी में आरसीबी ने पूजा को 85 लाख में खरीदा था। पूजा वस्त्राकर टीम में संतुलन की दृष्टि से अहम खिलाड़ी हैं। दाएं हाथ की तेज गेंदबाजी के अलावा वह निचले क्रम की सक्षम बल्लेबाज भी हैं। पूजा के टी20 करियर पर गौर करें तो 72 अंतरराष्ट्रीय टी20 मैचों में 58 विकेट उन्होंने लिए हैं। वहीं 43 पारियों में 332 रन बनाए हैं। वहीं आईपीएल के 16 मैचों में उन्होंने 126 रन बनाने के साथ ही 7 विकेट लिए हैं। इंजरी की वजह से लंबे समय से क्रिकेट से दूर पूजा की वापसी महिला प्रीमियर लीग में तय मानी जा रही थी, लेकिन हैमस्ट्रिंग इंजरी ने उनकी वापसी का इंतजार फिर बढ़ा दिया है।

सुनील गावस्कर ने जेमिमा रोड्रिग्स को भेंट किया बल्ले के आकार का गिटार

एजेंसी

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एक गिटार भेंट किया है। गिटार विशेष है और निश्चित रूप से इस उपहार को जेमिमा ताउम्र याद रखेंगी। सुनील गावस्कर ने जेमिमा रोड्रिग्स को बैट के आकार का गिटार उपहार में दिया। जब जेमिमा ने गिफ्ट खोला, तो वह बहुत खुश दिख रही थीं, वह बैट के आकार के गिटार की कारीगरी की तारीफ कर रही थीं। दोनों ने एक साथ 'ये दोस्ती' गाना गाया। गावस्कर द्वारा जेमिमा को बल्ले के आकार का गिटार दिए जाने का किस्सा महिला विश्व कप से जुड़ा हुआ है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यादगार शतक लगाकर जेमिमा ने भारत को रिकॉर्ड जीत दिलायी थी। इस जीत के बाद गावस्कर ने उनसे कहा था कि अगर भारतीय टीम खिताब जीतती है, तो वह उनके साथ गाना गाएंगे। सुनील गावस्कर ने अपने उसी वादे को पूछा कि बल्ले के आकार का गिटार बजाने के लिए है या बल्लेबाजी के लिए। इस पर गावस्कर ने कहा कि

निभाया। जेमिमा ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह सुनील सर का इंतजार कर रही थीं कि वह अपनी बात मानें। अपनी प्रतिष्ठा के मुताबिक उन्होंने निराश नहीं किया।

युवा क्रिकेटर ने गावस्कर से वह दोनों कर सकती हैं। जेमिमा ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'सुनील सर ने अपना वादा निभाया और हमने अब तक के सबसे कूल बैट-आर के साथ जैमिंग की। यह एक स्पेशल था।'

टी20 विश्व कप 2026 से पहले संजू सैमसन ने युवराज सिंह से लिया बल्लेबाजी का टिप्स

एजेंसी

नई दिल्ली। युवराज सिंह का नाम भारतीय क्रिकेट के विस्फोटक बल्लेबाजों में शुमार किया जाता है। संन्यास के बाद युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है, जो मौजूदा समय में भारतीय क्रिकेट का बड़ा चेहरा हैं। युवराज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भी बल्लेबाजी के टिप्स दिए हैं। भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस सीरीज का हिस्सा हैं। माना जा रहा है कि सैमसन भारतीय पारी की शुरुआत अभिषेक शर्मा के साथ करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले संजू सैमसन युवराज सिंह से बल्लेबाजी के टिप्स लेते दिखे हैं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल

हो रहा है। वीडियो में युवराज फुटवर्क से संबंधित टिप्स दे रहे हैं और सैमसन ठीक उनके सामने खड़े होकर उसे समझने का प्रयास कर रहे हैं। संजू सैमसन बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। सैमसन के पास टाइमिंग और ताकत का मिश्रण है जिसके दम पर वह विस्फोटक पारियां खेलते हैं। कई बार संजू के फुटवर्क में समस्या दिखती है, जिसकी वजह से उन्हें अपना विकेट भी गंवाना पड़ता है। युवराज से टिप्स मिलने के बाद सैमसन की ये परेशानी कम या दूर हो सकती है।

अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में अपनी बेखौफ बल्लेबाजी से जो सफलता पाई है, उसका पूरा श्रेय वह युवराज सिंह को देते हैं। भारतीय क्रिकेट फैंस संजू सैमसन से न्यूजीलैंड सीरीज और फिर टी20 विश्व कप 2026 में वैसी ही बड़ी पारियां नियमित रूप से खेलते हुए देखना चाहेंगे, जैसी वे पूर्व में खेल चुके हैं। सैमसन ने 52 टी20 मैचों की 44 पारियों में 4 बार नाबाद रहते हुए 3 शतक और 3 अर्धशतक की मदद से 1,032 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 111 है। न्यूजीलैंड टी20 सीरीज और फिर टी20 विश्व कप संजू सैमसन के लिए करियर के लिए बेहद अहम है।

केआईबीजी 2026 में सफलता के बाद एशियन बीच वॉलीबॉल चैंपियनशिप पर नजरें टिकाए भरत और राजेश

एजेंसी

दीव। तमिलनाडु की बीच वॉलीबॉल जोड़ी भरत और राजेश सिर्फ खेल में ही नहीं, बल्कि जीवन के सफर में भी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। खेल में अपेक्षाकृत देर से पहचान बनाने वाले इस जोड़ीदार की दोस्ती कॉलेज के दिनों में मजबूत हुई, जहां समान परिस्थितियों और संघर्षों ने उन्हें एक-दूसरे के और करीब ला दिया।भरत के पिता दिहाड़ी पर प्लंबर का काम करते हैं, जबकि राजेश के पिता चेन्नई में बस कंडक्टर हैं। आर्थिक स्थिरता जहां हमेशा परिवारों की पहली प्राथमिकता रही, वहां वॉलीबॉल को करियर के रूप में चुनना आसान फैसला नहीं था। बावजूद इसके, तमाम चुनौतियों को पार करते हुए भरत और राजेश ने दीव के घोघला बीच पर आयोजित *खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2026* में लगातार दूसरी बार बीच वॉलीबॉल में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

टीम के कप्तान भरत ने कहा, 'मेरे पिता दिहाड़ी पर प्लंबर हैं और राजेश के पिता बस कंडक्टर। हमारे आसपास कोई खास खेल माहौल नहीं था लेकिन कभी-कभी जुनून देर से जागता है। हमारे लिए यह कॉलेज के शुरुआती दिनों में हुआ।' लॉयला कॉलेज, चेन्नई से वाणिज्य स्नातक भरत और राजेश ने अपने परिवारों को इस सफर का सबसे बड़ा सहारा बताया। उन्होंने कहा कि सीमित आर्थिक सुरक्षा और अनिश्चित भविष्य के बावजूद उनके परिवारों ने हमेशा उनके खेल करियर का समर्थन किया। भरत ने कहा, 'हम दोनों अभी शुरुआती 20 की उम्र में हैं और अच्छी बात यह है कि हमारे परिवारों ने हमें तुरंत नौकरी ढूंढने का दबाव नहीं दिया।

बीपीएल: रोमांचक 'लो स्कोरिंग' मुकाबले में चटोग्राम वॉरियर्स की जीत

एजेंसी

सिलहट। चटोग्राम रॉयल्स ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) 2025-26 के 19वें मुकाबले को अपने नाम किया। इस टीम ने सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में राजशाही वॉरियर्स के खिलाफ 2 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ चटोग्राम रॉयल्स शीर्ष पायदान पर मौजूद है। इस टीम ने अब तक 7 में से 5 मुकाबले अपने नाम किए हैं। वहीं, राजशाही वॉरियर्स 6 में से 4 मुकाबले जीतकर चौथे पायदान पर है। इस टीम ने अब तक 2 मैच गंवाए हैं। टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी राजशाही वॉरियर्स ने 9 विकेट खोकर 128 रन बनाए। सलामी जोड़ी के रूप में तंजीद हसन ने मोहम्मद वसीम के साथ 21 रन की साझेदारी की। इस टीम के लिए मोहम्मद वसीम और

एसएम महरोब ने 19-19 रन बनाए, जबकि अकबर अली ने 17 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से आमिर जमाल ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि शोरफुल इस्लाम और तनवीर इस्लाम ने 2-2 विकेट निकाले।

इसके जवाब में चटोग्राम रॉयल्स ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की। सलामी बल्लेबाजों के रूप में मोहम्मद नईम और एडम रॉसिंगटन ने 3.3 ओवरों में 24 रन की साझेदारी की। टीम को इस स्कोर पर पहला झटका लगा, जिसके बाद 28 के स्कोर तक कुल 4 विकेट गिर गए। यहां से कप्तान मेहदी हसन ने हसन नवाज के साथ पांचवें विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी की। मेहदी हसन 25 गेंदों में 28 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद हसन नवाज ने आसिफ अली के साथ छठे विकेट के लिए 35 रन टीम के खाते में जोड़े। आसिफ अली 25 गेंदों में 27 रन बनाकर आउट हुए, जबकि हसन नवाज ने 36 गेंदों में 2 चौकों की मदद से 35 रन जुटाए।

विपक्षी खेमे से बिनुरा फर्नांडो ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। एसएम महरोब ने 2 विकेट निकाले, लेकिन राजशाही वॉरियर्स को हार से बचा नहीं सके।

बारिश के कारण श्रीलंका-पाकिस्तान के बीच दूसरा टी 20 मैच रद्द

एजेंसी

दांबुला। श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दूसरा टी20 मैच बारिश के चलते रद्द हो गया। इसी के साथ तीन मुकाबलों की सीरीज में पाकिस्तान की 1-0 से बढ़त कायम है। अब सीरीज का अंतिम और निर्णायक मैच 11 जनवरी को इसी मैदान पर खेला जाना है। दांबुला में 7 जनवरी को खेले गए सीरीज के पहले मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप नजर आई थी। मेजबान टीम लगातार विकेट गंवाती रही। आलम ये रहा कि श्रीलंकाई टीम महज 19.2 ओवरों में 128 रन पर सिमट गई। इस पारी में जनिथ लियानागे ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। 31 गेंदों की इस पारी में जनिथ ने 1 छक्का और 2 चौके लगाए। इनके अलावा, वानिंदु हसरंगा ने 18 रन टीम के खाते में जोड़े। मेहमान टीम की ओर से सलमान मिर्जा और अबरार अहमद ने सर्वाधिक 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद वसीम जूनियर और शादाब खान ने 2-2 विकेट निकाले। इसके जवाब में पाकिस्तानी टीम ने महज 16.4 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। पाकिस्तान को साहिबजादा और सईम अयूब की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 5.5 ओवरों में 59 रन की साझेदारी की। साहिबजादा फरहान ने 36 गेंदों में 2 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 51 रन बनाए, जबकि सईम अयूब 18 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद शादाब खान ने 18 रन की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। श्रीलंका की ओर से थीक्षाना, चमीरा, हसरंगा और धनंजय डी सिल्वा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। टी 20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है।

टूर्नामेंट के पहले ही दिन पाकिस्तानी टीम नीदरलैंड के विरुद्ध अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि 8 फरवरी को श्रीलंका का सामना आयरलैंड से होगा। ऐसे में पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच यह टी20 सीरीज विश्व कप की तैयारियों के मद्देनजर अहम है।

भारतीय शूटिंग टीम के ट्रायल के लिए मुरादाबाद की निशानेबाज श्रद्धा रस्तोगी ने किया क्वालीफाई

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले की होनहार निशानेबाज श्रद्धा रस्तोगी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में भारतीय निशानेबाजी टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार ने यह जानकारी शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि भोपाल में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में 618.1 का प्रभावशाली स्कोर कर श्रद्धा भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में भी शामिल हो गई हैं। मोहल्ला मंडी चौक में रहने वाली और स्नातक की छात्रा श्रद्धा ने इससे पहले भी कई उपलब्धियां बटोरी हैं। एक साल पूर्व शूटिंग रेंज में कदम रखने वाली श्रद्धा ने बताया कि उन्होंने हाल ही में देहरादून में खेली गई 44वीं नॉर्थ जोन शूटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। इसके अलावा उन्होंने यूपी स्टेट, प्री-स्टेट, प्री-नेशनल और इंडिया ओपन जैसी प्रतियोगिताओं में मेडल जीते हैं। 34वीं ऑल इंडिया जीवी मावलंकर (प्री-नेशनल) में दो सिल्वर और 48वीं यूपी स्टेट में सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। श्रद्धा ने बताया कि दिल्ली और मुरादाबाद की विभिन्न शूटिंग रेंज में नियमित रूप से तीन से चार घंटे तक अभ्यास करती हैं। वह ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही हैं ताकि उनका चयन भारतीय शूटिंग टीम में हो। उनका सपना भारत के लिए मेडल जीतने का है।

केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने युवाओं से 'विकसित भारत' के निर्माण का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में देश के युवाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी संभालने का आह्वान किया।अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि देश के 140 करोड़ नागरिक मिलकर 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करें, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। उन्होंने कहा, 'आप देश का भविष्य हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत के निर्माण की जिम्मेदारी युवाओं को सौंपी है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से उन्होंने स्पष्ट कहा था कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार नहीं, बल्कि देश के सभी 140 करोड़ नागरिक मिलकर करेंगे और इसमें युवा मशाल वाहक होंगे। मांडविया ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और अपने कौशल, ऊर्जा व नवाचार के माध्यम से देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आप जैसे युवा देश का भविष्य हैं।' हमें 'विकसित भारत' का राही अपने देश के युवाओं को बनाना है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने भी युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि

भारत की स्वतंत्रता भारी बलिदानों की कीमत पर मिली है। उन्होंने युवाओं से इतिहास से प्रेरणा लेकर देश के पुनर्निर्माण और एक सशक्त, महान भारत के निर्माण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। डोभाल ने कहा, 'आज का स्वतंत्र भारत हमेशा ऐसा नहीं था। हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्रता के लिए अपार कष्ट सहे, अपमान झेला और असहायता के दौर देखे। गांव जलाए गए, सभ्यता को नुकसान पहुंचाया गया और मंदिरों को लूटा गया। यह इतिहास आज के युवाओं के लिए एक चुनौती है, जो उन्हें देश को फिर से उसके गौरवशाली स्थान पर पहुंचाने की प्रेरणा देता है।' 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2.0' शनिवार से शुरू होकर 12 जनवरी तक भारत मंडपम में होगा। इसका पहला संस्करण जनवरी 2025 में आयोजित हुआ था। यह संवाद भारत की विकास यात्रा में युवाओं की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

रुपया 28 पैसे लुढ़का, 90.18 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 27.75 पैसे गिरकर 90.18 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा लगातार दूसरे दिन कमजोर हुई है। यह गुरुवार को 3.25 पैसे टूटकर 89.9025 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये की शुरुआत आज दो पैसे की मामूली बढ़त में 89.88 रुपये प्रति डॉलर पर हुई लेकिन इसके बाद इसमें लगातार गिरावट रही। यह बीच कारोबार में 90.25 रुपये प्रति डॉलर तक टूटने के बाद अंत में 90.18 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाली से रुपये पर दबाव रहा। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी रुपया कमजोर हुआ।

‘घरेलू मांग के दम पर वैश्विक अनिश्चितताओं से पार पा लेगा भारत’

नई दिल्ली। भारत में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अर्थशास्त्री क्रिस्टोफर गौरोवे का मानना है कि तमाम वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत अपनी घरेलू मांग के दम पर आने वाले समय में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। श्री गौरोवे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत दुनिया के कई अन्य देशों जितनी खुली अर्थव्यवस्था नहीं है। यह बाहरी कारकों के प्रति उतना संवेदनशील नहीं है। यही कारण है कि पहले भी वैश्विक चुनौतियां का इसने मजबूती से सामना किया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत इस समय ‘लाभ की स्थिति’ में है।उल्लेखनीय है कि सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र की गुरुवार को जारी ‘विश्व आर्थिक स्थिति एवं परिदृश्य’ रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। साथ ही, अगले दो साल भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान जताया गया है। संयुक्त राष्ट्र के अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत में पारिवारिक खर्च ऊंचा बना हुआ है, सार्वजनिक निवेश मजबूत है और ब्याज दर कम है। ये सभी कारक विकास को गति दे रहे हैं। हालांकि अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर ऊंचे आयात शुल्क और वैश्विक अनिश्चितताओं का दबाव भी है।

अकासा एयर को मिली आयटा की सदस्यता

नई दिल्ली। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर को अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आयटा) की सदस्यता मिल गयी है। दुनिया की 360 से अधिक विमान सेवा कंपनियां आयटा की सदस्य हैं जिनका वैश्विक हवाई यातायात में 80 प्रतिशत से अधिक योगदान है। आयटा की सदस्यता हासिल करने के लिए इसके ऑपरेशनल सेफ्टी ऑडिट में अकासा का अच्छा प्रदर्शन रहा। अकासा के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय दुबे ने कहा कि वैश्विक विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को स्वरूप देने में आयटा की केंद्रीय भूमिका है।उसकी सदस्यता मिलना प्रगति की दिशा में आयटा के अनुशासित रुख को रेखांकित करता है। अकासा की स्थापना अगस्त 2022 में हुई थी। फिलहाल उसका नेटवर्क 26 घरेलू और छह अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों तक फैला है।

वृद्धि ऊंची, महंगाई कम होने पर ब्याज दर में कटौती ‘गोली’ बर्बाद करने जैसा: पीडब्ल्यूसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत दरों को स्थिर रखने का समर्थन करते हुए पीडब्ल्यूसी के भागीदार और आर्थिक सलाहकार सेवा के प्रमुख रानेन बनर्जी ने कहा कि जब वृद्धि दर मजबूत है और मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, उस समय किसी भी कटौती का मतलब ‘गोली बर्बाद करने’ जैसा होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अगले महीने होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में मुख्य नीतिगत दर में कटौती की संभावना नहीं है।रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में एमपीसी की बैठक चार से छह फरवरी, 2026 को होनी है। यह चालू वित्त वर्ष की आखिरी बैठक होगी। बनर्जी ने बताया कि यदि वृद्धि के आंकड़े स्थिर बने हुए हैं और आधार वर्ष में संशोधन भी होने वाला है, जिससे बेहतर अनुमान मिलने की उम्मीद है, तो ब्याज दर में कटौती की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि चूंकि निजी पूंजीगत व्यय ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील नहीं है, इसलिए उसमें तेजी तब आएगी जब क्षमता उपयोग 85 प्रतिशत के करीब होगा। बनर्जी ने कहा, ‘मुझे नहीं लगता कि निजी पूंजीगत व्यय ब्याज दर की वजह से रुका हुआ है। इसका कारण यह है कि मांग को लेकर अनिश्चितता है या मांग में विश्वास या स्थिरता की कमी है। क्षमता उपयोग अभी भी 70-75 प्रतिशत के दायरे में है। जब तक क्षमता उपयोग 85 प्रतिशत के करीब नहीं पहुंच जाता, तब तक निजी क्षेत्र के लिए अतिरिक्त क्षमता बढ़ाने की कोई तत्काल आवश्यकता नहीं है। ‘

शेयर बाजार लगातार चौथे दिन गिरा, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1 हजार अंक से ज्यादा टूटा

एजेंसी
नई दिल्ली।घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक हरे निशान में पहुंच गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले घंटे के कारोबार के दौरान खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे, लेकिन इसके बाद लगभग दिन भर बाजार में बिकवाली का दबाव ही बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.72 प्रतिशत और निफ्टी 0.75 प्रतिशत लुढ़क कर बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, पीएसयू बैंक और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों की खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, रियल्टी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों की लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह प्राइवेट बैंक, कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 467.80 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 472.25 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.45 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,342 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,066 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,100 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 176 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,870 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 594 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2276 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 158.87 अंक की कमजोरी के साथ 84,022.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से पहले 5 मिनट में ही ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 400 अंक उछल कर 225.26 अंक की मजबूती के साथ 84,406.22 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की ये तेजी टिकाऊ नहीं हो सकी।? थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरता चला गया।

चावल, चीनी नरम; खाद्य तेलों, दालों में घट-बढ़

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव घट गये। चावल के साथ चीनी भी सस्ती हुई। वहीं, गेहूं में टिकाव रहा जबकि खाद्य तेलों और दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत चार रुपये घटकर 3,856 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 2,852 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत पांच रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव देखा गया। मसूर दाल औसतन 14 रुपये और मूंग दाल छह रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं, उड़द दाल की कीमत नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल और तुअर दाल के भाव कमोबेश स्थिर रहे। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा पांच रिंगिट गिरकर 4,038 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.53 प्रतिशत की बढ़त में 49.71 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की कीमत 65 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सोया तेल 55 रुपये और सूरजमुखी तेल 46 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल 22 रुपये और सरसों तेल दो रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। वनस्पति की कीमत में टिकाव देखा गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 14 रुपये प्रति क्विंटल गिर गये। चीनी भी पांच रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

उर्वरकों का उत्पादन 2025 में रिकॉर्ड 525 लाख टन पर

एजेंसी
नई दिल्ली। देश में उर्वरकों का उत्पादन साल 2025 में बढ़कर 525 लाख टन पर पहुंच गया जिससे कुल खपत का 73 प्रतिशत घरेलू उत्पादन से पूरा करना संभव हुआ है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने बताया कि साल 2025 में देश की कुल उर्वरक खपत का 73 प्रतिशत हिस्सा देश में ही उत्पादन कर पूरा किया गया। यह उपलब्धि सरकार की प्रभावी नीतियों और किसानों के हित में निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

मंत्रालय ने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि सरकार के प्रयासों से साल 2025 में उर्वरकों का घरेलू उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यूरिया, डीएपी, एनपीके और एसएसपी का कुल घरेलू उत्पादन साल 2021 में 433 लाख टन था जो 2022 में बढ़कर 468 लाख टन हो गया।

इसके बाद 2023 में इसमें बड़ी वृद्धि दर्ज की गई और उत्पादन 508 लाख टन तक पहुंच गया। यह बढ़त 2024 में भी जारी रही, जब उत्पादन 510 लाख टन पहुंच गया। वहीं, 2025 में उर्वरक उत्पादन 525 लाख टन दर्ज किया गया। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों को सशक्त और स्वावलंबी बनाने के साथ-साथ पूरे देश में उर्वरकों की समय पर और भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उर्वरक सुरक्षा मजबूत करने के लिए कच्चे माल की उपलब्धता पर अधिक ध्यान दिया गया है। दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, विभिन्न स्रोतों के उपयोग और आयात पर निर्भरता कम करने जैसे जरूरी कदम उठाये गये हैं। इसमें कहा गया है कि नये संयंत्रों की स्थापना, बंद पड़ी इकाइयों के पुनरुद्धार और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा मिलने से उर्वरक क्षेत्र को मजबूती मिली है।

निप्पॉन पेंट इंडिया ने तैयार की भारतीय बाजार के लिए व्यापक रणनीतिक योजना

एजेंसी
चेन्नई। निप्पॉन पेंट इंडिया ने कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर शरद मल्होत्रा के नेतृत्व में भारत-केंद्रित विस्तार की रणनीति की घोषणा की है जिसमें कंपनी पोर्टफोलियो बढ़ाने और कारोबार में वृद्धि के लिए अधिग्रहण के अवसरों को भी तलाशेगी। जापान के निप्पॉन पेंट होल्डिंग की सिंगापुर स्थित सहायक कंपनी निप्सिया की भारतीय अनुषंगी निप्पॉन पेंट इंडिया ने एक विज्ञप्ति में कहा कि वह भारत में अपने सात विनिर्माण संयंत्रों, जापान में विकसित गहरी तकनीकी विशेषज्ञता और एक मजबूत ‘मेक इन इंडिया’ आधार के साथ भारत में अपने कारोबार के लिए आत्मनिर्भर प्लेटफॉर्म बनाने के प्रति प्रतिबद्ध है। कंपनी इसके लिए विनिर्माण उत्कृष्टता, गुणवत्ता और स्थानीय बाजार प्रासंगिकता पर पर फोकस कर रही है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह अपने पारंपरिक रूप से मजबूत देश के दक्षिणी बाजारों से आगे विस्तार के लिए निवेश बढ़ाएगी तथा बड़ी संभावना वाले शहरों और अर्ध-शहरी केंद्रों में पैठ बढ़ायेगी। निप्पॉन पेंट इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर शरद मल्होत्रा ने कहा, ‘भारत निप्पॉन पेंट के लिए एक प्राथमिक और दीर्घकालिक बाजार है, और हमारा फोकस विनिर्माण में मजबूती, स्थानीय प्रासंगिकता , वृद्धि के लिए भारत-प्रथम की रणनीति बनाने पर है। मेरा दायित्व एक आकर्षक, भारत-विशिष्ट विकास मॉडल तैयार करना है, जो वैश्विक मानकों के अनुरूप हो और स्थानीय बाजार की वास्तविकताओं का समाधान करे। ‘

निप्पॉन पेंट इंडिया के डेकोरेटिव बिज़नेस के प्रेसिडेंट मार्क टाइटस ने कहा, ‘भारत निप्पॉन पेंट के डेकोरेटिव बिज़नेस के लिए एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक अवसर प्रस्तुत करता है। प्रीमियमाइज़ेशन, ब्रांड निर्माण और मजबूत चैनल एवं इन्फ्लुएंसर साझेदारियों के कारण हमें विकास की बड़ी संभावनाएं दिखाई देती हैं। हम विभिन्न क्षेत्रों में अपने डीलर और वितरण नेटवर्क का विस्तार तथा, सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करते हुए भारत में मजबूत ब्रांड बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ‘

NIPPON PAINT

सर्राफा बाजार में सस्ती हुई चांदी, 5,200 रुपये तक गिरी कीमत

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज चांदी की कीमत ने भी गोता लगाया है। आज देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में 1,000 रुपये से लेकर 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में आज चांदी 2,51,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,71,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में 5,200 रुपये की गिरावट आने के कारण आज ये चमकीली धातु 2,51,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,51,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,52,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं, बेंगलुरु में चांदी 2,52,200 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,51,800 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 1,100 रुपये सस्ती होकर 2,70,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत आज भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 1,000 रुपये कमजोर होकर 2,71,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स मयंक मोहन का कहना है कि ब्लूमबर्ग कमोडिटी इंडेक्स (बीसीओएम) की एनुअल रीबैलेंसिंग की वजह से सोना और चांदी पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया है। 15 जनवरी तक चलने वाली रीबैलेंसिंग की प्रक्रिया के दौरान इंडेक्स से जुड़ी फंड फ्लो गतिविधियां सोना और चांदी पर निगेटिव असर डाल सकती है। इस प्रक्रिया के कारण गोल्ड, सिल्वर और एल्युमिनियम जैसी कमोडिटीज पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, नेचुरल गैस, क्रूड ऑयल और कोको जैसी कमोडिटीज को इसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में फायदा मिल सकता है। मयंक मोहन के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार होने वाली कोई भी हलचल भारतीय सर्राफा बाजार पर प्रत्यक्ष असर डालती है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी की कीमत में हुई बिकवाली के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में भी इन चमकीली धातुओं की कीमत में गिरावट आ गई है।

विदेशी मुद्रा भंडार में 9.8 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट

एजेंसी
मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 02 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 9.809 अरब डॉलर घटकर पांच सप्ताह के निचले स्तर 686.801 अरब डॉलर पर आ गया। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चार सप्ताह बढ़ा था। गत 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 3.292 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में नवंबर 2024 के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट है। रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 02 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 7.622 अरब डॉलर घटकर 551.99 अरब डॉलर रह गया। इसमें अमेरिका डॉलर के अलावा जापानी येन, यूरो और ब्रितानी पाउंड भी शामिल हैं जिनका मूल्य डॉलर के मुकाबले उनके संदर्भ दर के आधार पर तय किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार भी 2.058 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 111.262 अरब डॉलर रह गया। लगातार पांच सप्ताह बढ़ते हुए 113.32 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद स्वर्ण भंडार घटा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 10.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.771 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार 2.5 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 18.778 अरब डॉलर दर्ज किया गया।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ बीसीसीएल का आईपीओ, 13 तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी
नई दिल्ली। कोयले का उत्पादन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडरी भारत कोकिंग कोल लिमिटिड (बीसीसीएल) का 1,071.11 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 15 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 16 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। ये आईपीओ साल 2026 का पहला मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। दोपहर 1:30 बजे तक कंपनी का आईपीओ 5.42 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 21 रुपये से लेकर 23 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। बीसीसीएल के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 600 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,800 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स अधिक से अधिक 14 लौट यानी 8,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,93,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 46.57 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 8 जनवरी गुरुवार को बीसीसीएल ने एंकर इनवेस्टर्स से 273.13 करोड़ रुपये जुटाए। एंकरबुक में सबसे अधिक पैसे देश की सबसे बड़ी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने लगाए। एलआईसी ने 78 करोड़ रुपये के निवेश से बीसीसीएल के 3.39 करोड़ शेयर अपने नाम किए। इसके अलावा एंकर बुक में निप्पन लाइफ इंडिया म्यूचुअल फंड ने 75 करोड़ रुपये के निवेश से 3.26 करोड़ शेयर और बंधन म्यूचुअल फंड ने 75 करोड़ रुपये के निवेश से 3.26 करोड़ शेयर हासिल किए। इन तीनों एंकर इनवेस्टर्स के अलावा, यूटीआई म्यूचुअल फंड, सोसिएट जेनेरेल, साइट्रिन फंड, राजस्थान ग्लोबल सिक्योरिटीज, एम-7 ग्लोबल फंड, कॉप्थल मॉरिशस इनवेस्टमेंट और मेबैंक सिक्योरिटीज जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं। इस आईपीओ में एंकर इनवेस्टर्स समेत क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 42.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 29.75 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 12.75 प्रतिशत हिस्सा, एंप्लॉयीज के लिए 5 प्रतिशत हिस्सा और पुराने शेयर होल्डर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है।

म्यूचुअल फंड का एयूएम पिछले साल 20 प्रतिशत बढ़ा, 80 लाख करोड़ के पार पहुंचा

एजेंसी
नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड के प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) में साल 2025 में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 80 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एएफएमयू) ने दिसंबर 2025 के आंकड़े जारी किये। इसमें बताया गया है कि 31 दिसंबर 2025 को म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम 80,23,379 करोड़ रुपये रहा। यह एक साल पहले के 66,93,032 करोड़ रुपये की तुलना में 19.88 प्रतिशत अधिक है।

मासिक आधार पर दिसंबर में कुल निवेश 66,591 करोड़ रुपये घट गया है। यह 30 नवंबर 2025 को 80,80,370 करोड़ रुपये रहा था। दिसंबर में डेट में निवेश 1,32,410 करोड़ रुपये घटकर 18,09,978 करोड़ रुपये रहा गया। वहीं इक्विटी में निवेश 28,054 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 35,72,544 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हाइब्रिड योजनाओं में भी निवेश बढ़कर 10,756 करोड़ रुपये बढ़ा और 31 दिसंबर 2025 को यह 11,00,421.73 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आंकड़ों में बताया गया है कि गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण दिसंबर में भी कायम रहा। इसमें मासिक आधार पर इसमें निवेश 11,647 करोड़ रुपये बढ़कर 1,27,896 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह एक साल पहले के मुकाबले लगभग तीन गुना है। अन्य श्रेणियों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ।पिछले साल दिसंबर में कुल 23 नयी योजनाएं लॉन्च की गयीं। इनमें पांच इंडेक्स फंड और तीन सेक्टोरल/थीमेटिक फंड शामिल हैं। इन 23 योजनाओं का कुल एयूएम 4,074 करोड़ रुपये एयूएम है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शराब का बड़ा जखीरा बरामद, 1.5 करोड़ की शराब जब्त

एजेंसी
जयपुर । दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शराब का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है । पुलिस ने 1.5 करोड़ की शराब जब्त की है । डीजी दिनेश एम एन के निर्देशन और एसपी ज्ञान चंद यादव व एएसपी सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में यह बड़ी कार्रवाई की गई है । पुलिस के मुताबिक चावल की आड़ में तस्करी में शराब की तस्करी की जा रही थी । इस ट्रक में 415 चावल के कट्टे भरे हुए है और इन कट्टो ने नीचे पंजाब मार्का शराब की छिपा रखी थी । ट्रक से रॉयल चैलेंज, रॉयल स्टैग और मैकडॉवेल्स के 1071 कार्टन बरामद हुए है । साथ ही इस पूरे मामले के मास्टरमाइंड बाड़मेर निवासी तस्कर दिनेश जाट गिरफ्तार करके 60 हजार कैश और ट्रक जब्त किया गया है ।इस शराब की खेप हरियाणा के सिरसा से भरकर गुजरात ले जाई जा रही ।

अमेरिका दे सकता है भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की मंजूरी, रिलायंस भी रेस में

एजेंसी
वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका भारत को वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दे सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संकेत दिए हैं कि अमेरिकी निगरानी और शर्तों के साथ यह व्यापार फिर से शुरू हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वर्षों से रुका वेनेजुएला-भारत तेल व्यापार दोबारा पटरी पर लौट सकता है। हालांकि फिलहाल इन शर्तों का आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है।

रिलायंस को भी वेनेजुएला के तेल में दिलचस्पी : रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की दिग्गज निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका से मंजूरी लेकर वेनेजुएला का तेल फिर से खरीदना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक रिलायंस इसके लिए यूएस स्टेट डिपार्टमेंट और ट्रेजरी डिपार्टमेंट से बातचीत कर रही है। पश्चिमी देशों के दबाव में रूस से तेल आयात घटाने की संभावनाओं के बीच रिलायंस वैकल्पिक सप्लाई स्रोत सुरक्षित करने की कोशिश में है। 2019 के प्रतिबंधों से रुका था भारत-वेनेजुएला व्यापार वेनेजुएला OPEC का सदस्य है और उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लेकिन वह वैश्विक सप्लाई का सिर्फ करीब 1फीसदी योगदान देता है।2019 में अमेरिका ने वेनेजुएला पर कड़े आर्थिक और सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए थे, जिसके तहत वेनेजुएला से तेल खरीदने वाली कंपनियों को अमेरिकी बाजार और बैंकिंग सिस्टम से बाहर किया जा सकता था।

इन प्रतिबंधों के चलते भारत ने भी वेनेजुएला से तेल खरीदना बंद कर दिया था, जबकि एक समय भारत अपने कुल तेल आयात का करीब 6फीसदी वेनेजुएला से लेता था। आंशिक राहत में बढ़ा था आयात, फिर लगी ब्रेक : 2023-24 में अमेरिका ने कुछ समय के लिए प्रतिबंधों में ढील दी, जिससे भारत ने दोबारा वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू किया। 2024 में आयात 63,000 से 1 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंचा और 2025 में यह बढ़कर करीब 1.41 अरब डॉलर हो गया। लेकिन मई 2025 में अमेरिका ने फिर से सख्ती बढ़ा दी, जिसके बाद 2026 की शुरुआत में वेनेजुएला से भारत का तेल आयात घटकर सिर्फ 0.3फीसदी रह गया।

रिलायंस का जामनगर रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स अहम कड़ी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के गुजरात स्थित जामनगर रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स की क्षमता करीब 14 लाख बैरल प्रतिदिन है, जो दुनिया का सबसे बड़ा रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स है।2025 के शुरुआती चार महीनों में PDVSA ने रिलायंस को चार जहाजों से रोजाना लगभग 63,000 बैरल तेल सप्लाई किया था, लेकिन अमेरिकी लाइसेंस सस्पेंड होने के बाद मई 2025 में आखिरी खेप भारत पहुंची। ट्रम्प का वेनेजुएला प्लान : निवेश और मुनाफा साझा करने का फॉर्मूला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में एक्सॉन मोबिल, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स जैसी बड़ी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। ट्रम्प ने वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में करीब 9 लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव रखा।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका तय करेगा कि कौन सी कंपनियां वेनेजुएला में निवेश करेंगी और मुनाफा वेनेजुएला, अमेरिका और कंपनियों के बीच साझा किया जाएगा।

अमेरिका को मिलेगा 3-5 करोड़ बैरल प्रतिबंधित तेल

ट्रम्प के मुताबिक वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 3 से 5 करोड़ बैरल प्रतिबंधित तेल सौंपेगी, जिसे बाजार भाव पर बेचा जाएगा।5 करोड़ बैरल तेल की मौजूदा कीमत करीब 25 हजार करोड़ रुपए आंकी गई है। इस रकम पर अमेरिकी नियंत्रण रहेगा और इसका उपयोग दोनों देशों के हित में किया जाएगा।

ट्रम्प ने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को इस योजना को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं।

तारिक रहमान नियुक्त हुए बीएनपी अध्यक्ष

एजेंसी

ढाका। तारिक रहमान को बंगलादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) का अध्यक्ष बनाया गया है। बीएनपी की स्थायी समिति ने (9.30 बजे) पार्टी के गुलशन कार्यालय में हुई बैठक में इस नियुक्ति को मंजूरी दी। बैठक के बाद बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने मीडिया को इसकी पुष्टि की। 30 दिसंबर को पार्टी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन के बाद बीएनपी अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था। पार्टी संविधान के अनुसार, इस रिक्ति पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक बुलाई गई थी। खालिदा जिया के जेल जाने के बाद 2018 में तारिक रहमान को पार्टी का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, तारिक रहमान ने इरशाद विरोधी आंदोलन के दौरान अपनी मां के साथ सड़क प्रदर्शनों में भाग लिया था। उन्होंने 1988 में पार्टी की गबतली उपजिला इकाई के सामान्य सदस्य के रूप में औपचारिक रूप से बीएनपी में शामिल हुए। 1991 के राष्ट्रीय चुनाव से पहले, उन्होंने देश के लगभग हर जिले में बेगम खालिदा जिया के साथ प्रचार किया। 1993 में, उन्होंने बीएनपी की बोगुरा जिला इकाई का एक सम्मेलन आयोजित किया, जहां गुप्त मतदान के माध्यम से नेतृत्व का चुनाव हुआ।

कीव पर रूसी हमलों में चार लोगों की मौत, 25 अन्य घायल

कीव। यूक्रेन पर पूरी रात रूस ने बड़े पैमाने पर ड्रोन एवं मिसाइल से हमला किया जिसमें राजधानी कीव में कम से कम चार लोग मारे गए और 25 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। कीव के अभियोजक कार्यालय ने कहा कि मृतकों में से तीन एक आवासीय परिसर के निवासी थे और चौथा 58 वर्षीय आपातकालीन चिकित्सा कर्मी था जिसकी सहायता प्रदान करने के दौरान मौत हो गई। कार्यालय ने यह भी कहा कि घायलों में चिकित्सा कर्मी, बचावकर्मी और एक पुलिस अधिकारी शामिल हैं।इस हमले से कीव के सात जिले प्रभावित हुए, जिसमें दूतावास भवन, एक किंडरगार्टन और अन्य सुविधाओं सहित 19 अपार्टमेंटों को नुकसान पहुंचा। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि रूस ने हमले में 242 ड्रोन और 36 मिसाइलें दागीं, जिनमें रूसी रॉकेट प्रक्षेपण परिसर, कपुस्टिन यार परीक्षण स्थल से दागी गई एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने इस हमले को अंजाम दिया, जिसमें ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का उपयोग किया गया, जो परमाणु पेलोड ले जाने में भी सक्षम है और इसका लक्ष्य यूक्रेन में महत्वपूर्ण सुविधाएं थीं।

खामेनेई ने प्रदर्शनों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति पर साधा निशाना

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि उनका देश प्रदर्शनों के आगे नहीं झुकेगा। सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक संबोधन में श्री खामेनेई ने विदेशी समर्थित तत्वों पर देश को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। श्री खामेनेई ने कहा कि सभी को यह जान लेना चाहिए कि इस्लामी गणतंत्र हजारों सम्मानित लोगों के खून के दम पर सत्ता में आया है और यह उपद्रवियों के सामने पीछे नहीं हटेगा। राजधानी में जारी अशांति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर उन्हें देश चलाना आता होता तो वे अपना देश ठीक से चलाते क्योंकि अमेरिका के भीतर ही कई समस्याएं हैं। ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हाथ 1,000 से अधिक ईरानियों के खून से रंगे हुए हैं। उनके इस बयान को जून में ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिका द्वारा किए गए हमलों के संदर्भ में देखा जा रहा है। श्री खामेनेई ने अपने समर्थकों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए युवाओं से कहा कि अपनी तैयारी और एकता बनाए रखें क्योंकि एक एकजुट राष्ट्र किसी भी दुश्मन पर विजय प्राप्त कर सकता है। उल्लेखनीय है कि ईरान में आर्थिक नीतियों को लेकर देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं।

रूस ने जब्त किए गए टैंकर के रूसी चालक दल के दो सदस्यों की रिहाई का स्वागत किया

मास्को। रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सेना द्वारा पकड़े गए रूसी ध्वज वाले तेल टैंकर मैरिनेरा के रूसी चालक दल के दो सदस्यों को रिहा करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले का स्वागत किया है। मंत्रालय ने जारी किए एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह कदम क्रेमलिन के एक अनुरोध के जवाब में उठाया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'हम इस फैसले का स्वागत करते हैं और अमेरिकी नेतृत्व के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।' इससे पहले बुधवार को अमेरिकी यूरोपीय कमान ने स्कॉटलैंड के उत्तर पश्चिम में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मैरिनेरा को जब्त करने की घोषणा की थी। अमेरिकी युद्धपोतों ने कैरिबियन सागर से ही इस टैंकर का पीछा किया था। बेला वन, के पुराने नाम वाले इस टैंकर को वेनेजुएला के तेल निर्यात से संबंधित अमेरिकी प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन के आरोप में रोका गया था। इस जहाज पर कुल 28 लोग सवार थे जिनमें दो रूसी, 17 यूक्रेनी, तीन जॉर्जियाई और तीन भारतीय नागरिक शामिल हैं। अमेरिका ने पिछले साल के अंत में इस टैंकर पर तब नजर रखनी शुरू की थी जब इसने वेनेजुएला के पास जाने की कोशिश की थी।

वेनेजुएला के बाद मेक्सिको ट्रंप के निशाने पर आया, अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमले की दी धमकी

एजेंसी

विक्टोरिया । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों धमकियां देने के मूड में नजर आ रहे हैं। दरअसल, वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब ट्रंप की नजर ग्रीनलैंड पर है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिए हैं कि वह मैक्सिकन इलाके में ड्रग कार्टेल के खिलाफ हमले का ऑर्डर दे सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते वेनेजुएला पर हमला करके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को काराकास में उनके कंपाउंड से हिरासत में ले लिया था। इसके बाद अब उन्होंने अमेरिका के मैक्सिको के खिलाफ फिर से धमकियां दी हैं। ट्रंप ने मैक्सिको पर अमेरिका में ड्रग्स और अवैध प्रवासियों को भेजने का भी आरोप लगाया है, जिनमें से कई को उन्होंने हिंसक क्रिमिनल बताया है। सितंबर 2025 से, अमेरिका ने

कैरिबियन में कम से कम 35 कथित कार्टेल बोट पर हमला किया है। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वेनेजुएला पर भी यही आरोप लगाकर कार्रवाई की थी। हालांकि, मादुरो ने इस बात से साफ इनकार किया था।

ट्रंप ने गुरुवार रात फॉक्स न्यूज के सीन हैनिटी से कहा, 'हमने पानी के रास्ते आने वाली 97 फीसदी ड्रग्स को खत्म कर दिया है और अब हम कार्टेल के मामले में जमीनी स्तर से भी ड्रग्स ले जाने के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने जा रहे हैं।'

ट्रंप ने कहा, 'मेक्सिको को कार्टेल चला रहे हैं। उस देश के साथ जो हुआ है, उसे देखना बहुत, बहुत दुख की बात है।' वहीं एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने ट्रंप के इस बयान को उनके बात करने के एक तरीके का हिस्सा बताया। शीनबाम ने आगे कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री जुआन रेमन डे ला फुएंते को अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो से और अगर जरूरी हो, तो ट्रंप से सहयोग मजबूत करने के लिए बात करने के लिए कहा है।

पिछले हफ्ते, मैक्सिकन विदेश मंत्री ने वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य रेड की आलोचना करते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा बताया। मादुरो के किडनैपिंग के बाद, ट्रंप ने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को भी अपशब्द कहा। फिर बाद में अमेरिका और कोलंबिया के राष्ट्रपति ने बुधवार को तनाव कम करने के लिए फोन पर बात की। इस बातचीत के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ने ट्रूथ सोशल पर जानकारी दी कि पेट्रो को उन्होंने मुलाकात के लिए आमंत्रित किया है और यह मुलाकात व्हाइट हाउस में होगी।

रूस ने यूक्रेन पर पहली बार ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल दागी

एजेंसी

मॉस्को/कीव। रूस ने यूक्रेन पर किए गए बड़े हमले में पहली बार अपनी नई ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। रूस ने कहा कि उसने यूक्रेन पर ताजा हमले में अन्य हथियारों के साथ ओरेश्निक हाइपरसोनिक मिसाइल को भी शामिल किया, जिससे यूक्रेन को काफी नुकसान हुआ है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि राजधानी कीव में रातभर हुए हमले में चार लोग मारे गए और कम से कम 22 घायल हो गए। रूस ने यह नहीं बताया कि उसने ओरेश्निक से यूक्रेन में कहां हमला किया। मगर रूसी मीडिया और सैन्य ब्लॉगर्स ने कहा कि इस मिसाइल से यूक्रेन के पश्चिमी लवीव क्षेत्र में एक विशाल भूमिगत प्राकृतिक गैस भंडारण सुविधा केंद्र को निशाना बनाया गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह हमला पिछले महीने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर यूक्रेनी ड्रोन हमले के जवाब में किया गया। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि इस हमले में रूस की ओरेश्निक के अलावा 242 ड्रोन और 36 अन्य मिसाइलें शामिल थीं। इनमें से 226 ड्रोन और 18 मिसाइलों को मार गिराया गया। लवीव के मेयर एंड्री सादोवी ने कहा कि रूस ने एक बैलिस्टिक मिसाइल से अहम स्थान पर हमला किया। इस मिसाइल की गति 13,000 किलोमीटर (8,000 मील से ज्यादा) प्रति घंटा रही होगी। रूस ने पश्चिम को चेतावनी दी है कि वह ओरेश्निक से अगला हमला कीव के उन सहयोगियों पर कर सकता है, जिन्होंने उसे अपनी लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के अंदर हमला करने की इजाजत दी है। यूक्रेन के विदेशमंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया पर कहा कि मॉस्को यूरोपीय महाद्वीप की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है।

कई युद्धों को रोकने और लोगों की जान बचाने के लिए मैं नोबेल पुरस्कार का हकदार : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उनका कहना है कि उन्होंने कई बड़े युद्धों को रुकवाया है, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को टालना भी शामिल है। ट्रंप ने दावा किया कि किसी और नेता ने इतने बड़े और गंभीर संघर्षों को इस तरह नहीं रोका। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऐसे झगड़ों को सुलझाया जो कई दशकों से चले आ रहे थे और कई नए युद्धों को बढ़ने से पहले ही रोक दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने अक्सर सेना का इस्तेमाल भी नहीं किया। ट्रंप ने कहा, 'चाहे लोग मुझे पसंद करें या नहीं, लेकिन सच्चाई यह है कि मैंने आठ युद्ध खत्म कराए।' उनके अनुसार, इनमें से कुछ संघर्ष 36 साल, 32 साल, 31 साल, 28 साल और 25 साल से चल रहे थे।

उन्होंने दक्षिण एशिया का ज़िक्र करते हुए कहा कि यह इलाका बहुत खतरनाक माना जाता है। अमेरिका की पहल से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव युद्ध में बदलने से पहले ही थम गया। उस समय हालात ऐसे थे कि दोनों तरफ से विमानों को गिराया जा चुका था। यह संकट बहुत जल्दी शांत हो गया और इसमें परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं हुआ। उनके मुताबिक, यही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, 'और मैंने इसे बिना परमाणु हथियारों के तेजी से कर दिखाया। मैंने लाखों लोगों की जान बचाई है।' ट्रंप ने कहा कि बचाई गई जानों की संख्या नोबेल सम्मान के लिए काफी है। ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भी सार्वजनिक रूप से यह बात कही थी कि ट्रंप की वजह से भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव टल गया और कम से कम एक करोड़ लोगों की जान बची। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री यहां आए थे, और उन्होंने एक बहुत ही सार्वजनिक बयान दिया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान और भारत से जुड़े कम से कम 10 मिलियन लोगों की जान बचाई है। हमारा तरीका लंबे समय तक युद्ध करने के बजाय सीधे बातचीत और दबाव बनाने पर केंद्रित था। ये बड़े युद्ध थे। ये ऐसे युद्ध थे जिनके बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि उन्हें रोका जा सकता है।'

उन्होंने अपने काम की तुलना पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से की, जिन्हें राष्ट्रपति बनने के कुछ ही समय बाद नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। ट्रंप ने तंज कसते हुए कहा कि ओबामा को खुद भी नहीं पता कि उन्हें वह पुरस्कार क्यों दिया गया।

ट्रंप ने कहा कि वह पुरस्कार के पीछे नहीं भागते, लेकिन उनका रिकॉर्ड देखकर लगता है कि यह सम्मान उन्हें मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई नेता युद्ध रोकता है, तो सैद्धांतिक रूप से उसे नोबेल शांति पुरस्कार मिलना ही चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं कोई शेखी नहीं बघारना चाहता हूं।'

नेपाली कांग्रेस में विभाजन रोकने के लिए नेताओं के बीच गतिरोध जारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस में विभाजन को रोकने को लेकर पार्टी के नेताओं के बीच दो दिन से जारी बातचीत का फिलहाल किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। हालांकि विभिन्न पक्षों के बीच आंतरिक मतभेदों को सुलझाने को लेकर बातचीत जारी है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार शुक्रवार पूरे दिन और शनिवार सुबह से दोनों पक्षों के दूसरे-स्तर के नेताओं के बीच संवाद हो रहा है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। नेपाली कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'यह संवादहीनता की स्थिति तो नहीं है, लेकिन समाधान भी अभी निकल नहीं पाया है।' नेता के मुताबिक, देउवा पक्ष विशेष महाधिवेशन को स्थगित किए जाने के बाद ही आगे बातचीत करने के रुख पर है, जबकि इतर (असंतुष्ट) पक्ष केवल विशेष महाधिवेशन पर ही अड़ा हुआ है। तथा दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से टस-से-मस नहीं हो रहे हैं।इसी बीच गुरु घिमिरे, देवराज चालिसे समेत अन्य नेताओं ने शेखर कोइराला के साथ भी चर्चा की। शेखर कोइराला ने पहले ही पार्टी सभापति शेरबहादुर देउवा से मिलकर समाधान के लिए पहल करने का आग्रह कर चुके हैं। इस दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि पुस महीने के दूसरे सप्ताह के आसपास निर्वाचन आयोग में एक निवेदन दायर किया गया था, जिसमें केंद्रीय समिति को विशेष महाधिवेशन बुलाने का निर्देश देने की मांग की गई है। पार्टी विधान के अनुसार यदि 40 प्रतिशत महाधिवेशन प्रतिनिधि विशेष महाधिवेशन की मांग करते हैं तो उसे बुलाना अनिवार्य होता है। निवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि 54 प्रतिशत प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर पहले ही जुटाए जा चुके हैं और आवश्यक कार्रवाई के लिए आयोग से अनुरोध किया गया है। पार्टी अध्यक्ष देउवा पक्ष ने इस कदम को पार्टी को विभाजित करने के प्रयास के रूप में देखा है। वहीं, निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह कांग्रेस के भीतर बढ़ते विवाद पर करीबी नजर बनाए हुए है। शुक्रवार की प्रेस ब्रीफिंग में आयोग के प्रवक्ता एवं सहसचिव नारायणप्रसाद भट्टराई ने कहा कि कांग्रेस का महाधिवेशन विवाद पार्टी का आंतरिक विषय है।उन्होंने कहा, 'आंतरिक मामलों में अधिक हस्तक्षेप न करने की नीति के कारण अभी तक हमने कोई ठोस धारणा नहीं बनाई है। राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर नजर रखना आयोग की जिम्मेदारी है। हमें जानकारी तो है, लेकिन यह दल के भीतर लोकतंत्र का विषय होने के कारण आयोग ने फिलहाल इसमें प्रवेश नहीं किया है।' भृकुटीमंडप में 11-12 जनवरी को तय विशेष महाधिवेशन के लिए देशभर से प्रतिनिधियों के काठमांडू पहुंचने का क्रम जारी है। पीछे न हटने के मूड में दिख रहे महामंत्रीद्वय गगन थापा और विश्वप्रकाश शर्मा, हस्ताक्षर करने वालों से 500 से अधिक प्रतिनिधियों को उतारने के दावे के साथ तेज़ी से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

भीषण गर्मी से झुलस रहा विक्टोरिया राज्य, 200 जगहों पर लगी, 120 बिल्डिंग क्षतिग्रस्त

एजेंसी

विक्टोरिया । दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के राज्य विक्टोरिया में आग ने तांडव मचा दिया है। बढ़ते तापमान के बीच आगजनी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके साथ ही हजारों घरों में अंधेरा छा गया है। विक्टोरिया की प्रीमियर जैसिंटा एलन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 60 साल के एक आदमी की मौत शुक्रवार दोपहर मेलबर्न से 110 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में हारकोर्ट शहर के पास उसकी कार में हुई। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एलन ने कहा कि शख्स की मौत सीधे तौर पर आग से जुड़ी नहीं थी, बल्कि आग लगने की जगह के पास हुई।मेलबर्न से 120 किलोमीटर उत्तर में लॉन्गवुड शहर के पास लापता बताए गए तीन और लोग सुरक्षित मिल गए। दरअसल, लापता हुए शख्स का घर राज्य की सबसे भयानक आग में तबाह हो गया था।

स्थानीय अग्निशमन अधिकारियों

ने जानकारी दी कि आग बुझाते समय तीन फायर फाइटर घायल हो गए। एलन ने कहा कि शनिवार सुबह तक विक्टोरिया में 10 जगहों पर बड़ी आग लगी हुई थीं और अधिकारी 20 और जगहों पर कड़ी नजर रख रहे थे।

विक्टोरिया में कुल 200 जगहों पर आग लगी थी। आग लगने का मुख्य कारण तापमान का 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होना था। एलन ने शनिवार को कहा कि अधिकारियों का मानना है कि 300,000 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जल गई है और 38,000 घरों और कारोबार में बिजली नहीं है।

शनिवार को तापमान में गिरावट आई, लेकिन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं की वजह से आग फैलती रहेगी। इमरजेंसी मैनेजमेंट अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि विक्टोरिया राज्य में कम से कम 120 इमारतें आग से नष्ट हो गई हैं और जानवरों का भी काफी नुकसान हुआ है।राज्य सरकार ने 19 इलाकों में आपदा की स्थिति घोषित कर दी है, जिससे अधिकारियों को आग बुझाने, आवाजाही को कंट्रोल करने और लोगों को निकालने के लिए निजी संपत्तियों पर कब्जा करने की अनुमति मिल गई है।

तुर्की में तूफान संबंधी घटनाओं के कारण पांच की मौत

एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्की में पिछले दो दिनों के दौरान आये तूफान और तेज हवाओं के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी है। तुर्की के प्रसारक एनटीवी ने यह जानकारी दी। मौसम विज्ञान विभाग ने तूफान, भारी बारिश और हिमस्खलन के खतरे को देखते हुए देश के 81 में से 63 प्रांतों के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। कई शहरों में भी तूफान का कहर जारी रहा। रिपोर्ट के अनुसार इन लोगों की मौत की मुख्य वजह छतों का गिरना रही है। मौसम वैज्ञानिकों ने देश के आधे से अधिक प्रांतों में फिर से येलो अलर्ट जारी किया है।

ब्रेंट क्रिस्टेंसन ने बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत के तौर पर ली शपथ

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी विदेश सेवा के अधिकारी ब्रेंट क्रिस्टेंसन को बांग्लादेश में अमेरिका का राजदूत बनाया गया है। क्रिस्टेंसन ने बांग्लादेश में यूएस के नए राजदूत के तौर पर शपथ ली। अमेरिकी विदेश विभाग ने बांग्लादेश के साथ क्रिस्टेंसन के लंबे अनुभव और ढाका के साथ व्यापार संबंधों और रणनीतिक जुड़ाव पर जोर दिया। क्रिस्टेंसन को डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट माइकल आर. मैकफॉल ने बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत के पद की शपथ दिलाई। दक्षिण और मध्य एशिया ब्यूरो ने कहा कि क्रिस्टेंसन के पास अमेरिकी-बांग्लादेश रिश्तों में गहरा अनुभव और विशेषज्ञता है। ब्यूरो ने कहा, 'हम अपनी व्यापार साझेदारी को मजबूत करने और बांग्लादेश में अमेरिका के हितों को बढ़ावा देने में उनके नेतृत्व का इंतजार कर रहे हैं।'

क्रिस्टेंसन अब ढाका जा रहे हैं; उनके पास अपने विदेश सेवा में बांग्लादेश के लिए अमेरिकी नीति पर

काम करने का 20 साल से ज्यादा का अनुभव है। 23 अक्टूबर 2025 को क्रिस्टेंसन को बांग्लादेश का राजदूत बनाने का फैसला लिया गया था। इस दौरान क्रिस्टेंसन ने सीनेट फोरम रिलेशंस कमेटी के सदस्यों से कहा, 'मैं इसकी अहमियत और वहां अमेरिका के अहम हितों को अच्छी तरह समझता हूं। बांग्लादेश की स्ट्रेटेजिक लोकेशन इसे एक खुले, सुरक्षित और खुशहाल इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक अहम हिस्सा बनाती है।'

क्रिस्टेंसन ने कहा था, 'बांग्लादेश भी एक अहम मोड़ पर है। अगस्त 2024 में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों ने एक ऐसी सरकार गिरा दी जो 15 साल से सत्ता में थी। बांग्लादेश के लोग साल की शुरुआत में चुनाव करेंगे, जो दशकों में देश का सबसे अहम चुनाव होगा, ताकि एक नई सरकार और आगे का नया रास्ता चुना जा सके।'

यह शपथ ग्रहण बांग्लादेश में राजनीतिक घटनाक्रम पर कांग्रेस के बढ़ते ध्यान के बीच हो रहा है। 23 दिसंबर, 2025 को विदेश मामलों की कमेटी के अमेरिकी सीनेटरों ने मुहम्मद यूनुस को एक चिट्ठी लिखी और कहा था, 'हम बांग्लादेश में राष्ट्रीय संकट के समय अगले साल फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए आगे आने की आपकी इच्छा का स्वागत करते हैं।'

अमेरिका ईरान में कर सकता है हस्तक्षेप, मगर फौजें जमीन पर नहीं उतारेगा: ट्रम्प

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान वर्तमान अशांति के इस दौर में लोगों को मारना शुरू कर देता है तो अमेरिका इसमें हस्तक्षेप करेगा, हालांकि वह जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती नहीं करेगा। ईरान की स्थिति पर संवाददाताओं से बात करते हुए श्री ट्रम्प ने कहा कि अगर वे लोगों को मारना शुरू करते हैं, तो ऐसा होने पर अमेरिका अपनी भूमिका निभायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका अपनी फौजें, ईरान की जमीन पर उतार देगा। इसका अर्थ यह है कि उन्हें वहां बहुत जोर से मारना है, जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। श्री ट्रम्प और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि यदि ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को मारता है, तो वॉशिंगटन कार्रवाई करेगा। ईरान के

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अशांति के बारे में ट्रम्प प्रशासन की टिप्पणियों को हस्तक्षेपवादी और भ्रामक बताते हुए उनकी निंदा की थी। ईरान का कहना है कि ये बयान ईरानी लोगों के प्रति अमेरिका की निरंतर शत्रुता को दर्शाते हैं।? ईरान के कई शहरों में दिसंबर के अंत से रियाल के मूल्य में भारी गिरावट और लंबे समय से चली आ रही आर्थिक कठिनाइयों को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए हैं। ईरानी अधिकारियों ने प्रदर्शनों की बात स्वीकार की है और आर्थिक शिकायतों को दूर करने की इच्छा जतायी है, साथ ही हिंसा और तोड़फोड़ के खिलाफ चेतावनी भी दी है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार प्रदर्शन शुरू होने के बाद से प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के सदस्यों सहित दर्जनों लोग मारे गये हैं, हालांकि मरने वालों की संख्या का कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

'पहले गोली मारो, फिर सवाल पूछो...', ट्रंप की धमकी पर भड़का डेनमार्क

एजेंसी

डेनमार्क। डेनमार्क का रक्षा मंत्रालय ग्रीनलैंड की रक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है, सैनिकों को आक्रमण पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का आदेश; यह बयान ट्रंप के कब्जे के बयान पर तनाव के बाद आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड पर कब्जा करने वाले बयानों के चलते अमेरिका और डेनमार्क के रिश्तों तनावपूर्म हो गए हैं। इसी बीच डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय

ने कहा है कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड पर हमला करता है, तो उनके सैनिकों को तुरंत प्रतिक्रिया देनी होगी, पहले गोली चलानी होगी और बाद में सवाल पूछने होंगे।यह निर्देश 1952 के सैन्य नियमों पर आधारित है, जिसके तहत सैनिकों को उच्च अधिकारियों के आदेश का इंतजार किए बिना आक्रमणकारियों पर हमला करना अनिवार्य है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह नियम 'अभी भी लागू है।' यह बयान डेनमार्क की अपनी स्वायत्त क्षेत्र, ग्रीनलैंड, की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज: 60 से ज्यादा लोगों की मौत, लगातार बिगड़ते हालात

एजेंसी

तेहरान । ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन लगातार उग्र होते जा रहे हैं। देश के कई हिस्सों में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक 60 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए हैं कि कई इलाकों में संचार सेवाएं भी बाधित कर दी गई हैं। इसके बावजूद प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिसंबर 2025 में शुरू हुए इन प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 62 लोगों की जान जा चुकी है। अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) का दावा है कि मृतकों की संख्या 65 से ज्यादा हो सकती है। संगठन के अनुसार, 9 जनवरी को प्रदर्शन 13वें दिन में प्रवेश कर चुके थे और अब तक 2,311 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एचआरएएनए की रिपोर्ट बताती है कि विरोध प्रदर्शन पूरे ईरान में फैल चुके हैं। देश के सभी 31 प्रांतों के 180 शहरों में कुल 512 स्थानों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। शुरुआत में ये प्रदर्शन 28 दिसंबर 2025 को तेहरान के दो बाजारों से शुरू हुए थे, जहां लोग महंगाई, बेरोजगारी और ईरानी मुद्रा रियाल की गिरती कीमत के खिलाफ सड़कों पर उतरे थे। धीरे-धीरे यह आंदोलन पूरे देश में फैल गया और अब यह सीधे तौर पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली धार्मिक सत्ता के खिलाफ गुस्से का रूप ले चुका है।

ईरान की सरकारी मीडिया ने पहली बार माना कि

प्रदर्शनों में जानमाल का नुकसान हुआ है, हालांकि उसने कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं दिया। साथ ही, सरकारी मीडिया ने हिंसा के लिए अमेरिका और इजरायल से जुड़े आतंकी एजेंटों को जिम्मेदार ठहराया है।

इस बीच, सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'घमंडी' बताया और आरोप लगाया कि उनके हाथ ईरानियों के खून से सने हैं। खामेनेई ने कहा कि ट्रंप को अपने देश की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। खामेनेई ने संकेत दिए कि सुरक्षा बल अब प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और सख्त कार्रवाई करेंगे। सरकारी टीवी पर प्रसारित वीडियो में 'अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे भी सुनाई दिए।खामेनेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी ट्रंप पर निशाना साधते हुए दावा किया कि जून में हुई 12 दिनों की जंग में एक हजार से ज्यादा ईरानी मारे गए थे, जिसका आदेश ट्रंप ने दिया था। इसी बीच, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने ट्रंप से तुरंत हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, 'मिस्टर प्रेसिडेंट, यह ईरान के लोगों के लिए तुरंत मदद और कार्रवाई की अपील है।' पहलवी की अपील के बाद गुरुवार और बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने पहलवी के समर्थन में नारे लगाए और उनकी ईरान वापसी की मांग की।

रजा पहलवी के पिता ईरान के आखिरी शाह थे, जिन्हें 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद सत्ता छोड़कर देश छोड़ना पड़ा था।

page 1 and 8 jan 11_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/11/2026 12:24 AM Page 2

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

गहन विश्वास और सभ्यतागत गौरव के एक हजार वर्ष

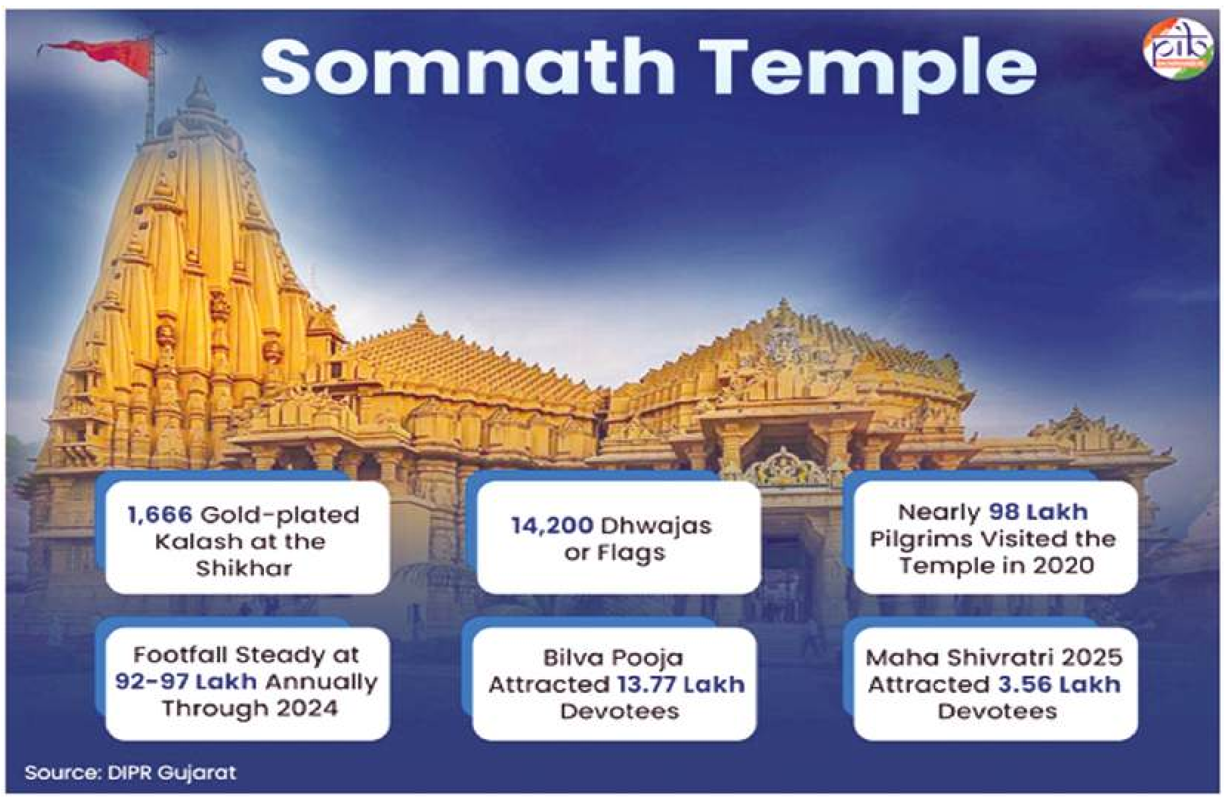

मुख्य बिंदु

▸▸ सोमनाथ स्वाभिमान पर्व (8-11 जनवरी, 2026) सोमनाथ मंदिर पर 1026 में हुए पहले अभिलिखित आक्रमण के 1000 वर्ष पर स्मरणोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

▸▸ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर मुख्य आध्यात्मिक और स्मरण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 10-11 जनवरी, 2026 को सोमनाथ की यात्रा करेंगे।

▸▸ प्रधानमंत्री श्री मोदी श्री सोमनाथ न्यास के प्रमुख हैं। इस मंदिर की विशेषता 150 फुट का शिखर, 1666 स्वर्ण मंडित कलश और 14200 ध्वज हैं।

▸▸ प्रत्येक वर्ष 92-97 लाख श्रद्धालु सोमनाथ मंदिर के दर्शन करते हैं।

▸▸ सोमनाथ में महिलाओं की केंद्रीय भूमिका है। मंदिर के 906 कर्मियों में से 262 महिलाएं हैं। वे बिल्व वन, प्रसाद वितरण और मंदिर भोज सेवाओं का प्रबंध देखती हैं।

▸▸ सोमनाथ मंदिर न्यास में 363 महिलाएं कार्यरत हैं। वार्षिक 9 करोड़ रुपए की आय वाला यह न्यास महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रहा है।

सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले मल्लिकार्जुनम् ।
उज्जयिन्यां महाकालम्कारममलेश्वरम्

द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम के इस आरंभिक श्लोक में गुजरात के सोमनाथ को बारह पवित्र ज्योतिर्लिंगों में प्रथम स्थान पर रखा गया है जिससे भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में उसके महत्व का पता चलता है। यह उस सभ्यतागत विश्वास को प्रतिबिंबित करता है कि सोमनाथ भारत के आध्यात्मिक भूगोल का आधार है। गुजरात में वेरावल के निकट प्रभास पाटन में स्थित, सोमनाथ केवल एक पूजा स्थल नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यतागत निरंतरता का एक जीवंत प्रतीक है।

सदियों तक, सोमनाथ करोड़ों लोगों की श्रद्धा और उपासना का केंद्र रहाहै। इसे बार-बार उन आक्रमणकारियों द्वारा निशाना बनाया गया जिनका उद्देश्य भक्ति नहीं, बल्कि विनाश था। इसके बावजूद, सोमनाथ की कथा सनातन धर्म को मानने वालेकरोड़ों लोगों के अटूट साहस, विश्वास और संकल्प से जानी जाती है।

स्वाभिमान पर्व सामूहिक गौरव की राष्ट्रीय अभिव्यक्ति 3

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन 8 जनवरी से 11 जनवरी 2026 तक एक राष्ट्रीय उत्सव के रूप में किया जा रहा है। यह आयोजन जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले अभिलिखितआक्रमण के एक हजार वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्मरणोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

इस आयोजन की परिकल्पना विनाश के स्मरण के रूप में नहीं, बल्कि सहनशीलता, विश्वास और सभ्यतागत आत्म-सम्मान को श्रद्धांजलि के रूप में की गई है। सदियों से, सोमनाथ को बार-बार उन आक्रमणकारियों द्वारा निशाना बनाया गया जिनका उद्देश्य भक्ति के बजाय विनाश था। हालाँकि, हर बार देवी अहिल्या बाई होल्कर जैसे भक्तों के सामूहिक संकल्प के माध्यम से मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया। पुनरुद्धार के इस अटूट चक्र ने सोमनाथ को भारत की सभ्यतागत निरंतरता का एक शक्तिशाली प्रतीक बना दिया

2026 का वर्ष उस समय के भी 75 साल पूरे होने काअवसर है, जब स्वतंत्रता के बाद 11 मई, 1951 को मौजूदा सोमनाथ मंदिर को भक्तों के लिए फिर से खोला गया था। ये दोनों अहम पड़ाव सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आधारबने हैं।

चार दिवसीय पर्व के दौरान, सोमनाथ आध्यात्मिक गतिविधियों, सांस्कृतिक चिंतन और राष्ट्रीय स्मरण के केंद्र में परिवर्तित हो गया है। इस उत्सव की एक मुख्य विशेषता 72 घंटे का अखंड ओंकार जाप है, जो एकता और सामूहिक विश्वास का प्रतीक है। इसके साथ ही, पूरे मंदिर परिसर और नगर में भक्ति संगीत, आध्यात्मिक विमर्श और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की सनातन सभ्यता की यात्रा में गौरव, स्मरण और विश्वास की एक सामूहिक अभिव्यक्ति के रूप में खड़ा है।

ऐतिहासिक संदर्भ- जीवटता कीएक सहस्राब्दी

सोमनाथ की ऐतिहासिक जड़ें प्राचीन भारतीय परंपरा में अत्यंत गहरी हैं। प्रभास तीर्थ, जहाँ सोमनाथ स्थित है, भगवान शिव की चंद्रदेव द्वारा की गई आराधना से जुड़ा हुआ है। परंपरा के अनुसार, चंद्रदेव ने यहाँ भगवान शिव की आराधना की

थी और उन्हें उनके श्राप से मुक्ति मिली थी, जो इस स्थान को अपार आध्यात्मिक महत्व प्रदान करता है।

सदियों से, सोमनाथ मंदिर निर्माण के कई चरणों का साक्षी रहा, जिनमें से प्रत्येक उस समय की भक्ति, कलात्मकता और संसाधनों को दर्शाता है। प्राचीन वृत्तांत विभिन्न सामग्रियों का उपयोग करके बनाए गए क्रमिक मंदिरों का वर्णन करते हैं, जो नवीनीकरण और निरंतरता का प्रतीक हैं। सोमनाथ के इतिहास का सबसे उथल-पुथल भरा चरण ग्यारहवीं शताब्दी में शुरू हुआ।

जनवरी 1026 में, सोमनाथ को आक्रमणकारियों द्वारा अपने पहले अभिलिखित हमले का सामना करना पड़ा। इसने एक लंबी अवधि की शुरुआत की, जिसके दौरान सदियों तक मंदिर को बार-बार नष्ट किया गया और फिर से बनाया गया। इसके बावजूद, सोमनाथ लोगों की सामूहिक चेतना से कभी ओझल नहीं हुआ। मंदिर के विनाश और पुनरुद्धार का यह चक्र विश्व इतिहास में अद्वितीय है। यह दर्शाता है कि सोमनाथ कभी भी केवल पत्थर की एक संरचना मात्र नहीं था, बल्कि आस्था, पहचान और सभ्यतागत गौरव का एक जीवंत प्रतीक था।

1947 में, सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के खंडहरों का दौरा किया और मंदिर के पुनर्निर्माण का अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। उनका दृष्टिकोण इस विश्वास पर आधारित था कि सोमनाथ का पुनरुद्धार भारत के सांस्कृतिक विश्वास को बहाल करने के लिए अनिवार्य है। यह पुनर्निर्माण जन-भागीदारी और राष्ट्रीय संकल्प के साथ शुरू किया गया था। कैलाश महामेरु प्रसाद स्थापत्य शैली में निर्मित वर्तमान मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा 11 मई, 1951 को की गई थी। यह समारोह केवल एक मंदिर के पुनः खुलने का प्रतीक नहीं था, बल्कि भारत के सभ्यतागत आत्म-सम्मान की पुष्टि थी।

श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2001 को आयोजित उस कार्यक्रम में भाग लिया था, जो 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के पुनः खुलने के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल, के. एम. मुंशी और कई अन्य लोगों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया था। यह कार्यक्रम सरदार वल्लभभाई पटेल की 125वीं जयंती के अवसर पर आयोजित हुआ था और इसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, तत्कालीन गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया था।

वर्ष 2026 में, राष्ट्र 1951 के उस ऐतिहासिक समारोह के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहा है, जो न केवल सोमनाथ मंदिर के पुनः खुलने का प्रतीक था, बल्कि भारत के सभ्यतागत स्वाभिमान की पुनर्स्थापना भी था। साढ़े सात दशक बाद, सोमनाथ आज एक नए कायाकल्प के साथ खड़ा है, जो उस सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प की चिरस्थायी शक्ति को प्रतिबिंबित करता है।

सोमनाथ मंदिर भव्यता, आस्था और जीवंत विरासत

सोमनाथ को भगवान शिव के 12 आदि ज्योतिर्लिंगों में प्रथम के रूप में पूजा जाता है। वर्तमान मंदिर परिसर में गर्भगृह, सभामंडप और नृत्यमंडप शामिल हैं, जो अरब सागर के तट पर भव्यता के साथ खड़े हैं। मंदिर के शिखर की ऊँचाई 150 फीट है, जिसके शीर्ष पर 10 टन भारी कलश स्थापित है। 27 फीट ऊँचा ध्वजदंड मंदिर की आध्यात्मिक उपस्थिति का प्रतीक है। पूरा परिसर 1,666 स्वर्ण-मंडित कलशों और 14,200 ध्वजाओं से सुसज्जित है, जो पीढ़ियों की भक्ति और उत्कृष्ट शिल्प कौशल का प्रतीक हैं।

सोमनाथ निरंतर जीवंत उपासना का केंद्र बना हुआ है। यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या हमेशा से अधिक रही है। यह संख्या एक वर्ष में 92 से 97 लाख भक्तों के बीच रहती है (2020 में लगभग 98 लाख तीर्थयात्रियों ने मंदिर के दर्शन किए)। बिल्व पूजा जैसे अनुष्ठानों में 13.77 लाख से अधिक भक्त हिस्सा लेते हैं, जबकि 2025 में महाशिवरात्रि के अवसर पर 3.56 लाख श्रद्धालु आयेथे। भक्तों को सोमनाथ के इतिहास से जोड़ने में सांस्कृतिक पहलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2003 में शुरू किया गया प्रकाश एवं ध्वनि शो (लाइट एंड साउंड शो) को 2017 में कथा वृतांत और 3 डी लेज़र तकनीक के साथ आधुनिक बनाया गया, पिछले तीन वर्षों में इस शो में 10 लाख से अधिक दर्शक देख चुके हैं। वंदे सोमनाथ कला महोत्सव जैसे कार्यक्रमों ने लगभग 1,500 वर्ष पुरानी नृत्य परंपराओं को पुनर्जीवित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो श्री सोमनाथ ट्रस्ट के प्रमुख के रूप में भी कार्यरत हैं, उनके नेतृत्व में सोमनाथ पुनरुद्धार के एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है।

शासकीय सुधारों, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और विरासत संरक्षण के प्रयासों ने एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में मंदिर की भूमिका को और सुदृढ़ किया है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व से पहले, सोमनाथ में एक अनूठा आध्यात्मिक उत्साह का वातावरण देखा गया। गिरनार तीर्थक्षेत्र और अन्य पवित्र केंद्रों के संतों ने शंख चौक से सोमनाथ मंदिर तक पदयात्रा की।

यह शोभायात्रा भगवान शिव के प्रिय डमरू, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और भक्ति संगीत की ध्वनि से गुंजायमान थी। सिद्धिविनायक ढोल समूह के लगभग 75 ढोल वादकों ने इसमें भाग लिया, जिससे एक लयबद्ध और आध्यात्मिक रूप से ऊर्जामय वातावरण निर्मित हुआ। पूरे मंदिर परिसर में 卐हर हर महादेव卐 के जयकारा गूंज उठा।

संतों और विशिष्ट प्रतिभागियों ने गहरी श्रद्धा के साथ आराधना की। इस पदयात्रा का स्वागत पुष्प वर्षा के साथ किया गया और मंदिर परिसर दिव्य भव्यता में बदल गया। वहाँ उपस्थित श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक संतोष और पूर्णता की एक गहरी अनुभूति की।

सोमनाथ मंदिर में महिला सशक्तिकरण और संवहनीयता11 12

2018 में स्वच्छ आदर्श स्थल घोषित होने के बाद, सोमनाथ ने संवहनीयता के क्षेत्र में कई नवीन प्रथाओं को अपनाया है। मंदिर में चढ़ने वाले फूलों को वर्मीकम्पोस्ट में बदला जा रहा है, जिससे परिसर के 1,700 बिल्व वृक्षों को पोषण मिलता है।मिशन लाइफ के अंतर्गत, प्लास्टिक कचरे को सड़क बनाने के ब्लॉक में परिवर्तित किया जा रहा है, जिससे हर महीने लगभग 4,700 ब्लॉक्स तैयार होते हैं। इसके अतिरिक्त, वर्षा जल संचयन से प्रति माह लगभग 30 लाख लीटर गंदे जल का प्रशोधन किया जाता है।

72,000 वर्ग फुट में फैला 7,200 पेड़ों का एक मियावाकी वन प्रतिवर्ष लगभग 93,000 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करता है। इसके अतिरिक्त, अभिषेक जल को शुद्ध करके सोमगंगाजल के रूप में बोतलबंद किया जाता है, जिससे दिसंबर 2024 तक 1.13 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हो चुके हैं।

सोमनाथ महिला सशक्तिकरण के एक सशक्त केंद्र के रूप में भी उभरा है। सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के 906 कर्मचारियों में से 262 महिलाएँ हैं। विशेष रूप से, बिल्व वन का प्रबंधन पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, 65 महिलाएँ प्रसाद वितरण के कार्य में और 30 महिलाएँ मंदिर की भोजन सेवाओं में जुटी हुई हैं। कुल मिलाकर, 363 महिलाओं को यहाँ प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त है, जो सामूहिक रूप से प्रतिवर्ष लगभग 9 करोड़ रुपये की आय अर्जित करती हैं। यह उनके आर्थिक स्वावलंबन और गरिमापूर्ण जीवन को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री की यात्रा और संबंधित कार्यक्रम

8 से 11 जनवरी 2026 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को राष्ट्रीय महत्व मिल रहा है।

10 जनवरी, 2026 को, प्रधानमंत्री सोमनाथ में होंगे और स्वाभिमान पर्व के अवसर पर प्रमुख आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। शाम के समय, वे मंदिर परिसर में आयोजित ओंकार मंत्र जाप में सम्मिलित होंगे। वे वहां चल रहे 72 घंटे के अखंड ओंकार जाप में शामिल होंगे, जो आस्था की निरंतरता, एकता और सभ्यता की शक्ति का प्रतीक है। उसी शाम, प्रधानमंत्री स्वाभिमान पर्व समारोह में आयोजित भव्य ड्रोन शो का भी अवलोकन करेंगे।

11 जनवरी, 2026 को प्रधानमंत्री शौर्य यात्रा का नेतृत्व करेंगे, यह यात्रा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के हिस्से के रूप में आयोजित एक प्रतीकात्मक जुलूस है। यह शौर्य यात्रा उस साहस, बलिदान और अदम्य भावना का प्रतिनिधित्व करती है जिसने सदियों से विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सोमनाथ को सुरक्षित रखा। यात्रा के बाद, प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

प्रधानमंत्री बाद में सोमनाथ में जन समूह को संबोधित करते हुए मंदिर के सभ्यतागत महत्व, स्वाभिमान पर्व की सार्थकता और सोमनाथ से जुड़े विश्वास, जीवंतता और स्वाभिमान के चिरस्थाई संदेश पर प्रकाश डालेंगे।

इन आयोजनों में प्रधानमंत्री की भागीदारी सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करती है और भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने तथा उसका उत्सव मनाने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है। यह यात्रा भारत की सभ्यतागत निरंतरता और सामूहिक विश्वास के एक जीवित और स्थायी प्रतीक के रूप में सोमनाथ की भूमिका पर भी प्रकाश डालती है।

निष्कर्ष

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत के सभ्यतागत आत्मविश्वास की पुष्टि करता है। यह विनाश पर जीवंतता और भय पर अटूट आस्था की विजय का सम्मान है। सौराष्ट्र के तट पर अडिग खड़ा सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में भारतीयों को प्रेरित करता है। यह हमें स्मरण कराता है कि जहाँ विनाशकारी शक्तियाँ इतिहास के पन्नों में ओझल हो जाती हैं, वहीं सच्चाई, एकता और आत्म-सम्मान में निहित विश्वास सदैव अक्षुण रहता है।

आदिनाथेन शर्वेण सर्वप्राणिहिताय वै।
आद्यतत्त्वान्यथानीयं क्षेत्रमेतन्महाप्रभम्।
प्रभासितं महादेवि यत्र सिद्ध्यन्ति मानवाः॥

अर्थ- सर्वशक्तिमान भगवान शिव ने, अपने आदिनाथ स्वरूप में, समस्त प्राणियों के कल्याण हेतु अपने शाश्वत सिद्धांत और संकल्प से इस अत्यंत शक्तिशाली और पवित्र क्षेत्र को प्रकट किया, जिसे प्रभास खंड के नाम से जाना जाता है। दिव्य आभा से आलोकित यह पुण्य भूमि वह स्थान है जहाँ मनुष्यों को आध्यात्मिक पूर्णता, पुण्य और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पत्र सूचना कार्यालय अनुसंधान